15 जून 2025
रविवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

मंगली लाल मंडल होंगे आरजेडी के नए प्रदेश अध्यक्ष, नामांकन किया दाखिल 4

फ्री आधार अपडेट करने की बढ़ी तिथि

एजेंसी/नई दिल्ली

आधार कार्ड को फ्री में अपडेट करने की अंतिम तारीख एक बार फिर बढ़ा दी गई है। अब यूजर्स 14 जून 2026 तक बिना कोई शुल्क दिए पोर्टल के माध्यम से अपने आधार कार्ड में दस्तावेजों के आधार पर डेमोग्राफिक डिटेल्स अपडेट कर सकते हैं। पहले यह सुविधा 14 जून 2025 तक सीमित थी। यह जानकारी यूडीआई द्वारा साझा की गई है। संस्था ने बताया कि लाखों आधार होल्डर्स को ध्यान में रखते हुए इस सुविधा को एक साल के लिए और बढ़ाया गया है। यूडीआई ने यह भी स्पष्ट किया है कि फ्री अपडेट की सुविधा केवल ऑनलाइन पोर्टल पर ही उपलब्ध है। इसके जरिए नागरिक अपने नाम, जन्मतिथि, पता आदि जैसे डेमोग्राफिक डिटेल्स को अपडेट कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें वैध एड्रेस प्रूफ और आइडेंटिटी प्रूफ दस्तावेज अपलोड करने होंगे। हालांकि, अगर किसी को बायोमैट्रिक अपडेट कराना है, तो इसके लिए नजदीकी आधार सेवा केंद्र जाना होगा और निर्धारित शुल्क का भुगतान करना होगा, क्योंकि बायोमैट्रिक अपडेट ऑनलाइन संभव नहीं है। अगर लोगों को आधार अपडेट से जुड़ी कोई जानकारी चाहिए, तो वे टोल-फ्री नंबर 1947 पर कॉल कर सकते हैं या यूडीआई को ईमेल भेज सकते हैं। बता दें कि सरकार पहले ही यह स्पष्ट कर चुकी है कि जिनका आधार 10 साल पुराना हो गया है, उन्हें उसे अपडेट कराना चाहिए। नियम के मुताबिक, हर 10 साल में वयस्कों का आधार अपडेट करना आवश्यक होता है।

24 घंटे में कोरोना के 269 नए मरीज मिले, अब तक 87 गईं जान

जांच

- देश में 7400 एक्टिव केस, राजस्थान में दो की मौत
- महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 25 की हुई मौत
- यूपी में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए सावधानी बरतने का निर्देश

केटी न्यूज/नई दिल्ली

देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 269 नए केस सामने आए हैं। शनिवार सुबह 8 बजे तक देशभर में कोरोना के 7400 एक्टिव मामले हैं। वहीं मौत का आंकड़ा बढ़कर 87 हो गया। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 25 मौतें हुई हैं। शुक्रवार को राजस्थान और केरल में दो लोगों की कोरोना से मौत हो गई। राजस्थान में 70 साल की महिला और केरल में 82 साल के बुजुर्ग ने सांस लेने में तकलीफ के चलते दम तोड़ दिया। राजस्थान में यह कोरोना से इस साल में यह दूसरी मौत है, जबकि केरल में जनवरी से अब तक 23 लोगों की जान गई है। केरल में इस वक्त देश के सबसे ज्यादा 2109 कोविड मरीज हैं। हालांकि, गुरुवार तक 2165 एक्टिव केस थे। राजस्थान में शुक्रवार को कोरोना के 34 नए मरीज मिले। उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज के अटैच हॉस्पिटल में भर्ती 70 साल की बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। महिला को सांस लेने में तकलीफ के कारण भर्ती कराया गया था। जांच में महिला की कोरोना रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। इससे पहले जयपुर में पिछले महीने एक मरीज की मौत हुई थी। उत्तर प्रदेश सरकार ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए सावधानी बरतने का निर्देश जारी किया है। प्रमुख स्वास्थ्य अधिकारियों ने सभी अस्पतालों को जरूरी दवाएं, पीपीई किट, जांच सुविधाएं, आइसोलेशन बेड, ऑक्सीजन सिलेंडर, आईसीयू और वेंटिलेटर जैसी सुविधाओं को तैयार रखने को कहा है। पिछले 24 घंटे में 9 लोगों की जान ली है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 4 मौतें हुई हैं।

गुजरात में मरीजों की संख्या में हो रही है बढ़ोत्तरी

राज्य में शुक्रवार सुबह 8 बजे तक कोविड-19 के 1358 एक्टिव मामले दर्ज हुए। गुरुवार को मरीजों की संख्या 1,281 थी। 10 जून को 223 नए मामले सामने आए थे, जो 9 जून के 235 मामलों से थोड़े कम थे। राज्य में अब तक दो लोगों की मौत भी हुई है।भारत के कई राज्यों में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के बीच देश में चार नए वैरिएंट मिले हैं। कळटफके डायरेक्टर डॉ. राजीव बहल ने बताया कि दक्षिण और पश्चिम भारत से जिन वैरिएंट की सीक्वेंसिंग की गई है, वे एलएफ-07, जीएफ, जेएन-01 और एनबी-01.8.1 सीरीज के हैं। बाकी जगहों से नमूने लेकर सीक्वेंसिंग की जा रही है, ताकि नए वैरिएंट की जांच की जा सके। मामले बहुत गंभीर नहीं हैं, लोगों को चिंता नहीं, बस सतर्क रहना चाहिए।

खबरें फटाफट

अमेरिका में 2 सांसदों को मारी गई गोली, एक की मौत

अमेरिका। अमेरिका के मिनेसोटा में ब्रुकलिन पार्क और चैम्पलिन में शनिवार को दो डेमोक्रेटिक सांसदों पर उनके घरों में गोलीबारी हुई। जिससे एक की मौत हो गई और दूसरे की हालत गंभीर है। इसमें पूर्व स्पीकर मेलिसा हॉर्टमैन और उनके पति की मौत हो गई है। मिनेसोटा के गवर्नर टिम वॉल्ज ने बताया कि राज्य की पूर्व हाउस स्पीकर मेलिसा हॉर्टमैन और उनके पति की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। इस हमले में सीनेटर जॉन हॉफमैन और उनकी पत्नी येवेट भी घायल हुई हैं। टिम वॉल्ज ने इसे राजनीतिक हमला करार दिया है। मेलिसा हॉर्टमैन मिनेसोटा राज्य की हाउस स्पीकर रह चुकी थीं और डेमोक्रेटिक पार्टी की वरिष्ठ नेता थीं। वे 2004 में पहली बार विधानसभा सदस्य चुनी गई थीं। वे मिनेसोटा की राजनीति में एक प्रभावशाली चेहरा थीं और उत्तरी मिनियापोलिस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती थीं। वह मिनेसोटा डेमोक्रेटिक-किसान-श्रम पार्टी की सदस्य भी थीं। राज्य सीनेटर जॉन हॉफमैन और उनकी पत्नी भी इस हमले में गोली लगने से घायल हुए हैं। हॉफमैन 2012 से सीनेट में हैं और उन्होंने पहले मिनेसोटा के सबसे बड़े स्कूल डिस्ट्रिक्ट एनोका-हेनपिन के स्कूल बोर्ड में सेवा की थी। वे एक सलाहकार कंपनी हॉफमैन स्ट्रेटेजिक एडवाइजर्स भी चलाते हैं।

पचामा दादर के पहाड़ी इलाके के जंगलों में हुई मुठभेड़, एसपी ने चलाया अभियान

बाला घाट के जंगल में पुलिस से मुठभेड़ 3 महिला समेत 4 नक्सलियों का एनकाउंटर

- बढ़ सकती है मारे गए नक्सलियों की संख्या
- एक हैंड ग्रेनेड, एक रॉकेट लॉन्चर, एक 315 राइफल और कारतूस पुलिस ने किया बरामद

एजेंसी/बालाघाट

मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में नक्सलियों के खिलाफ अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मुठभेड़ में चार नक्सलियों को मार गिराया है। पचामा दादर के पहाड़ी इलाके ये मुठभेड़ हुई। मारे गए नक्सलियों में तीन महिला नक्सली शामिल है। इनके पास से हथियार और विस्फोटक भी बरामद हुए हैं। फिलहाल इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। स्पेशल डीजी पंकज श्रीवास्तव ने कहा कि बिठली थाने के पचामा दादर के पहाड़ी इलाके में हुई मुठभेड़ में तीन महिलाओं समेत चार नक्सलियों को ढेर कर दिया गया है। एक हैंड ग्रेनेड, एक रॉकेट लॉन्चर, एक 315 राइफल और कारतूस बरामद किए गए हैं। कुछ नक्सली भाग गए. सर्च अभियान जारी है।

बोले सीएम मोहन यादव : बालाघाट नक्सली मुठभेड़ पर सीएम मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त करने के अपने संकल्प की दिशा में लगातार काम कर रहा है। बालाघाट में हुई मुठभेड़ में 4 नक्सली मारे गए हैं, जिनमें 3 महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। उनके पास से रॉकेट लॉन्चर समेत कई हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। उन्होंने इस मुठभेड़ में शामिल पुलिसकर्मियों को पुरस्कार देने की भी बात कही।

बालाघाट एनकाउंटर में 4 इनामी नक्सली ढेर : एसपी आदित्य मिश्रा ने भी जानकारी देते हुए बताया कि चारों नक्सली जीआरबी यानी गोंदिया, राजनांदगांव, बालाघाट डिवीजन के मेंबर थे। इलाके में 25 से ज्यादा सर्चिंग पार्टियां लगी हैं। नक्सलियों के और भी शव मिलने की संभावना है। जानकारी के मुताबिक मारे गए नक्सलियों पर इनाम घोषित था। मारे गए नक्सलियों में एक का नाम दीपक बताया जा रहा है।

पिछले19 फरवरी को भी 3 महिला नक्सली हुई थी ढेर

19 फरवरी 2025 को भी बालाघाट में नक्सलियों और पुलिस के साथ एनकाउंटर हुआ था। इस दौरान भी मुठभेड़ में पुलिस ने तीन महिला नक्सलियों को मार गिराया था। बालाघाट जिले के गिरी थाना क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों की नक्सलियों से मुठभेड़ हो गई थी, जिसमें तीन महिला नक्सलियों को ढेर कर दिया गया था। तलाशी अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए थे। सीएम ने कहा था कि केंद्र सरकार सभी राज्यों से वर्ष 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस टारगेट को पूरा करने के लिए प्रदेश की सरकार पूरी तरह से एक्टिव है। हाल ही में बालाघाट के नए पुलिस अधीक्षक का पदभार संभालने वाले आदित्य मिश्रा ने मिशन 2026 के तहत नक्सलियों के खात्मे को अपनी प्राथमिकता बताया था। पदभार ग्रहण के एक सप्ताह के भीतर ही इस बड़ी कार्रवाई की है।

मणिपुर में 300 से ज्यादा राइफल, हथियार और गोला-बारूद बरामद

मणिपुर की इंफाल घाटी के पांच जिलों से 300 से ज्यादा राइफल समेत हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया है। यह बरामदगी मणिपुर में सीएपीएफ और सेना की संयुक्त टीमों ने शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात को एक जॉइंट ऑपरेशन के दौरान की। जब्त की गई वस्तुओं में 151 एसएलआर राइफलें, 65 इंसास राइफलें, 73 अन्य राइफलें, पांच कार्बाइन गन, दो एमपी5 गन, 12 लाइट मशीन गन, छह एके सीरीज राइफलें, दो अमोघ राइफलें, एक मोर्टार, छह पिस्तौल, एक एआर-15 और दो फ्लेयर गन शामिल हैं। मणिपुर पुलिस ने सीएपीएफ, सेना और असम राइफल्स की संयुक्त टीमों ने 13-14 जून की दरम्यानी रात को राज्य के पांच घाटी जिलों में खुफिया सूचना के आधार पर तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान में 328 हथियार, विस्फोटक और युद्ध जैसी सामग्री बरामद की गई। बरामद किए गए हथियारों में 151 एसएलआर राइफल, 65 इंसास राइफल, 73 अन्य प्रकार की राइफल, पांच कार्बाइन बंदूकें, दो एमपी-5 बंदूकें और युद्ध जैसी अन्य सामग्री शामिल हैं।

घर में फंदे पर लटका मिला मां के साथ दो बच्चों का शव

एजेंसी/डिंडौरी

डिंडौरी में एक घर में मां और दो बच्चों के शव फंदे पर लटके मिले। पिता जब घर लौटे तब पता चला। बच्चों के हाथ-पैर बंधे थे। पिता ने उन्हें नीचे उतारा, लेकिन तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने घर सील कर दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना मेहदवानी थाना क्षेत्र के कुम्हारिन टोला में शुक्रवार रात की है। राजेंद्र प्रजापति गांव में फुल्की चाट का ठेला लगाता है। रात करीब 8 बजे जब वह काम से लौटा तो घर में टीवी चल रहा था। रोज की तरह सब कुछ सामान्य लग रहा था। कमरे में देखा तो पत्नी मधु प्रजापति (35), बेटी शिवानी (12) और बेटा आदित्य (10) फंदे पर झूल रहे थे।

पुलिस को सूचना दी गई। एएसआई सुनील पटेल ने बताया, एफएसएल की टीम और डॉग स्क्वाड को जांच के लिए बुलाया गया है। घर के बाहर पुलिस बल तैनात है। एसपी वाहिनी सिंह और एसडीओपी मुकेश अविंदा मौके पर पहुंचे। इसके बाद पुलिस कुछ परिजन को अपने साथ थाने ले गई, यहां एसपी उनसे मामले को लेकर जानकारी ले रही हैं।पुलिस के मुताबिक, महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। शुक्रवार शाम करीब 6 बजे तक महिला को खुद की समोसा-मंगौड़े की दुकान पर देखा गया था। उसके बाद वो घर चली गई। रात को जब पति घर पहुंचा, तो उसने देखा कि तीनों फंदे पर लटके थे। उसने पड़ोसियों को जानकारी दी। इसके बाद करीब 9 बजे थाने पहुंचकर पुलिस में सूचना दी। महिला के पति राजेंद्र प्रजापति का कहना है कि 2011 में सम्मेलन में हम दोनों की शादी हुई थी। मैं ठेला लगाता हूं। कुछ दिनों से पत्नी कह रही थी नींद नहीं आती है, हाथ पैर में दर्द रहता है। कई बार इलाज भी करवाया, लेकिन उसकी बीमारी बनी रहती थी। कभी-कभी मैं ही पत्नी को बोल देता था, तुम मेरे को परेशान कर रही हो। कहीं चला जाऊंगा। शुक्रवार सुबह से काम पर चला गया। पत्नी ने भी दुकान आकर समोसे का मसाला तैयार करवाया था। मैं दोपहर लगभग ढाई बजे घर आया, गेट से दोनों बच्चों को देखकर दुकान चला गया। रात को घर आया तो दरवाजा खटखटाया, नहीं खुला तो मैंने पड़ोसियों को आवाज लगाई। इसके बाद तोड़कर अंदर घुस गया। तीनों लटक रहे थे।

बोली प्रियंका... इजरायल एक राष्ट्र का सफाया कर रहा है, लेकिन हम चुप हैं

एजेंसी/नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र महासभा में गाजा में तत्काल और स्थायी युद्धविराम के प्रस्ताव पर भारत ने वोट नहीं दिया। इस पर कांग्रेस ने सरकार की आलोचना की है। 149 देशों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया, लेकिन भारत उन 19 देशों में शामिल था जिन्होंने वोट नहीं दिया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी, पवन खेड़ा और के सी वेणुगोपाल जैसे वरिष्ठ नेताओं ने भारत के इस फैसले की आलोचना की है। उन्होंने इसे भारत की विदेश नीति से भटकाव बताया है। खरगे ने कहा कि भारत की विदेश नीति बर्बाद हो गई है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बार-बार हो रही गलतियों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। प्रियंका गांधी ने भारत के यून में वोट न देने को शर्मनाक और निराशाजनक बताया है। पवन खेड़ा ने इसे नैतिक साहस की कमी कहा है। भारत के यूएन में वोट न देने पर विवाद हो रहा है।

अहमदाबाद: प्लेन हादसे में मृतकों का आंकड़ा 270 डीएनए मिलान में जुटी 36 विशेषज्ञों की टीम

एजेंसी/अहमदाबाद

गुजरात से लंदन जा रहे एअर इंडिया के विमान एआई-171 दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद 241 यात्रियों की मौत हो गई। अहमदाबाद एयरपोर्ट के करीब मेघाणीनगर इलाके में हुए इस हादसे में हॉस्टल पर विमान गिरने के बाद वहां मौजूद कई और भी लोग हताहत हुए। मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 270 तक पहुंच गया है।

अधिकांश शव जल चुके हैं ऐसे में मृतकों की शिनाख्त में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस दर्दनाक हादसे में अपनी जान गंवाने वाले लोगों की पहचान के लिए डीएनए जांच कराई जा रही है। अब तक 11 लोगों की डीएनए जांच से पहचान हो चुकी है। सिविल अस्पताल के अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रजनीश पटेल ने बताया कि अब तक 11 मृतकों के डीएनए नमूने मेल खा चुके हैं। मृतकों में से एक का पार्थिव शरीर परिवार को सौंप दिया गया है। उन्होंने बताया कि आज दो और शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। 24 घंटों में कुछ शरीर के अंगों के साथ एक शव भी बरामद किया है। विमानन विशेषज्ञों की जांच में अग्निशमन कर्मी मदद कर रहे हैं। एअर इंडिया ने कहा कि वह मृतक के परिजनों और घायलों को एक करोड़ रुपये के मुआवजे के अलावा 25 लाख रुपये का अंतरिम भुगतान करेगी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में जारी ऑरेंज अलर्ट को अब समाप्त कर दिया

उत्तर भारत में आज से चिलचिलाती गर्मी से मिल सकती है राहत

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में पिछले कुछ दिनों से जारी भीषण गर्मी और हीटवेव से अब राहत मिलने की उम्मीद है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में जारी ऑरेंज अलर्ट को अब समाप्त कर दिया गया है। आने वाले एक हफ्ते तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जाएगी। इसके साथ ही बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारों की संभावना भी जताई गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, 14 जून से लेकर 20 जून तक हर दिन हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बारिश की स्थिति बनी रहेगी। 14 जून को अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम 29 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। 15 जून को अधिकतम तापमान 39 डिग्री, न्यूनतम 28 डिग्री और मिडिटी 70-45 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना है। इन दोनों दिनों में तेज बारिश और गरज के साथ तूफान की स्थिति भी बन रही है। 16 और 17 जून को आसमान आमतौर पर बादलों से घिरा रहेगा और मध्यम बारिश दर्ज की जा सकती है। तापमान भी 37 और 38 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना जताई गई है।18 और 19 जून को गरज के साथ बारिश या थंडरशॉवर की संभावना है। तापमान 37-38 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री तक गिर सकता है। नमी 80-85 प्रतिशत तक दर्ज की जाएगी, जिससे मौसम काफी उमस भरा रहने की आशंका है। 20 जून को अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री के बीच रहने की संभावना जताई गई है। इस दिन भी बारिश या गरज के साथ छींटें पड़ सकते हैं। इस दौरान कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, यानी स्थिति सामान्य लेकिन बदलती हुई है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि इस सप्ताह के अंत तक मानसूनी हवाएं और अधिक सक्रिय हो सकती हैं।

देश के जांबाज सैनिकों के शौर्य के कारण ही हम चैन की नींद सो पाते है: मुकेश साहनी

- चौसा के शहीदों के घर पहुंचे वीआईपी प्रमुख ने स्वजनों को बंधाया ढांढस
- बोले इस बार विस चुनाव के बाद बिहार में बनेगी महागठबंधन की पूर्ण बहुमत की सरकार

केटी न्यूज/चौसा

सैनिकों के शौर्य के कारण ही देशवासी अपने घरों में चैन से सोते है। हमे अपने सैनिकों की बहादुरी व देश के प्रति सर्वस्व समर्पण की भावना पर गर्व है। शनिवार को चौसा में उक्त बातें विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के संस्थापक मुकेश साहनी ने कही।

वे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए चौसा के लाल हवलदार सुनील सिंह यादव व विगत दिनों तेलांगना में ड्यूटी के दौरान करंट की चपेट में आ कर्तव्य पथ पर न्योछावर होने वाले चौसा के सीआरपीएफ जवान जय शंकर चौधरी के परिजनों से मिलने चौसा पहुंचे। उन्होंने दोनों शहीदों के घर पहुंच उनके स्वजनों को ढांढस बंधाया तथा सैनिकों के वीरता देश की रक्षा के लिए सर्वस्व समपर्ण की भावना की सराहना की। वीआईपी प्रमुख ने कहा कि हमे अपने वीर सैनिकों पर गर्व है।

विपक्ष पर साधा निशाना, बाबा साहब का अपमान करती है भाजपा: इस दौरान विपक्ष और भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए मुकेश साहनी ने कहा कि लालू प्रसाद यादव बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के विचारों को मानते हैं और उन्हीं की सोच को आगे बढ़ा रहे हैं, जबकि भाजपा बाबा साहेब का अपमान करती है। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान की आलोचना की जिसमें अंबेडकर को फैशन बताया गया था। साहनी ने कहा, बाबा साहब हमारे दिल, जुबान और मन में हैं, हम उनके विचारों को आगे बढ़ाते रहेंगे। प्रशांत किशोर पर तंज कसते हुए साहनी ने कहा कि उपचुनाव में चार सीटें नहीं जीत पाए लोग पूरे 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगा। इस मौके पर डॉ. मनोज यादव, बच्चालाल निषाद व वीआईपी नेता शामिल थे।

नया भोजपुर में बोले वीआईपी के संस्थापक... धर्म नहीं, विकास पर हो राजनीति

डुमरांव। स्थानीय प्रखंड के नया भोजपुर में वीआईपी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री मुकेश साहनी ने एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा देश को जाति व धर्म के नाम पर बांटने का काम कर रही है, जबकि देश को आज विकास की राजनीति की जरूरत है। साहनी ने कहा, अगर राजनीति विकास पर केंद्रित हो, तो दलित, गरीब और पिछड़े वर्गों का वास्तविक उत्थान संभव है। प्रधानमंत्री पूरे देश के होते हैं। उन्हें धर्म के आधार पर नफरत की राजनीति करने के बजाय श्सबका साथ, सबका विकासश के नारे को ईमानदारी से अपनाना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले विधानसभा चुनावों में बिहार में महागठबंधन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि वीआईपी पार्टी संघर्ष की राह पर चलने वाली पार्टी है और हम सामाजिक न्याय व समान अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष करते रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. एसके सैनी ने किया। इसके पूर्व पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

चौगाई में घर से काम करने निकले युवक की संदिग्ध स्थिति में मौत

चौगाई। घर से किसी काम से बाहर गये एक शख्स की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई है। आशंका जताई जा रही है कि लू लगने के कारण उसकी मौत हो गई है। इसकी जानकारी मिलते ही पीड़ित परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की पहचान मुरार थाना क्षेत्र के फफदर गांव निवासी हीरा लाल राम 45 वर्ष पिता शिव नरायण राम के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार मृतक हीरा लाल घरेलु काम से बाहर गये हुए थे। जब घर लौटे तो गस खाकर गिर पड़े। उन्हें आनन फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने रेफर कर दिया। हमलोग बक्सर गोलम्बर स्थित विश्वामित्र हॉस्पीटल लेकर पहुंचे, जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मौत की पुष्टि होने के बाद से उसकी पत्नी उमीर्ला देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के चार बेटी खुशबू, पूजा, अनिता व सविता है। जबकि एक बेटा कुलदीप राम है। मौत की पुष्टि करते हुए विश्वामित्र हॉस्पीटल के डाक्टर राजीव कुमार झा ने कहा कि युवक की मौत लू लगने के कारण हुई है। जब मेरे यहां पहुंचा तो उसकी मौत हो चुकी थी।

खरगपुरा गांव में अज्ञात अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम, जांच शुरू

राजपुर में अहले सुबह अधेड़ की धारदार हथियार से काट की हत्या, मचा कोहराम

- दरवाजे के बाहर बाथरूम में पड़ा था शव, शर पर थे जख्म के गहरे निशान, जांच को पहुंची एफएसएल टीम
- अपने घर में अकेले रहता था मृतक, घटना की सूचना पर पहुंचे स्वजन, भाई ने अज्ञात पर दर्ज कराया एफआईआर

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खरगपुरा गांव में एक अधेड़ की धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई है। यह वारदात शनिवार सुबह की है। हत्यारों ने धारदार हथियार से उसके शर पर वार कर उसे मौत के घाट उतारा है। उसका शव दरवाजे के बाहर बने बाथरूम से बरामद किया गया है। इसकी जानकारी मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया। स्वजन दौड़े भागे गांव पहुंचे तथा पुलिस को घटना की जानकारी दी।

जानकारी मिलते ही राजपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेज मामले के उद्भेदन में जुट गई है। मृतक की पहचान 55 वर्षीय विमलेश्वर तिवारी के रूप में की गई है। इनके पिता स्व. राजकिशोर तिवारी रिटायर्ड शिक्षक थे। ये चार भाईयों में दूसरे नंबर पर थे। उनके बड़े पुत्र जो पेशे से इंजीनियर है अपनी पत्नी व मां के साथ पूणे में रहते है। उनकी पोस्टिंग वही पर है। जबकि छोटा पुत्र चौसा के महावीर स्थान के पास रहकर एक निजी विद्यालय का संचालन करता है। जबकि तीन अन्य भाई बक्सर स्थित मकान में अपने परिवार के साथ रहते है। मृतक गांव में ट्यूशन भी पढ़ाता था।

घर में अकेले रहता था मृतक: मिली जानकारी के अनुसार विमलेश्वर अपने घर में अकेले रहते थे। वे हर दिन की तरह शुक्रवार की रात खाना खाकर सोने के लिए घर के अंदर चले गए थे, लेकिन अहले सुबह अज्ञात अपराधियों ने धारदार हथियार से वार कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। उनके सर पर चोट के गंभीर निशान मिले हैं। दरवाजे के बार स्थित बाथरूम में खून से लथपथ उनके शव को देख पड़ोसियों ने शोर मचा पूरे गांव को इस घटना की जानकारी दी तथा चौकीदार के माध्यम से पुलिस को भी सूचना दी गई। पड़ोसियों ने ही उनके पुत्रों व भाईयों को इस घटना से अवगत कराया। जानकारी मिलते ही उनके स्वजन तत्काल गांव के लिए रवाना हो गए। वहीं, पूणे में रह रही पत्नी, पुत्र तथा पुत्रवधू भी गांव के लिए निकल पड़े है। हत्यारों की शिनाख्त तथा मामले के उद्भेदन के लिए पुलिस ने एफएसएल टीम का सहारा लिया है। मौके पर पहुंची एफएसएल टीम ने घटना स्थल से खून के नमूनों के साथ ही साक्ष्य के लिए कई चीजे एकत्र करने अपने साथ ले गई है।

सदर डीएसपी ने लिया घटना स्थल का जायजा: घटना की जानकारी मिलते ही बक्सर सदर डीएसपी धीरज कुमार तत्काल मौके पर पहुंचे तथा घटना स्थल का मुआयना करने के साथ ही परिजनों से बात कर घटना की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गौरतलब हो कि अहियापुर तिहरे हत्याकांड के बाद से पुलिस हर अपराधिक घटनाओं के उद्भेदन के प्रति काफी मुश्तैदी दिखा रही है। इस घटना के बाद भी पुलिस का वहीं तेवर देखने को मिला। जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि हत्यारे जल्द पकड़ लिए जाएंगे।

मृतक के छोटे भाई ने दर्ज कराया एफआईआर

इस मामले में मृतक के छोटे भाई गुड्डु तिवारी ने अज्ञात हत्यारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है। एफआईआर दर्ज कर पुलिस मामले के उद्भेदन में जुट गई है। राजपुर थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश सिंह ने बताया कि मृतक के भाई के बयान पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। कई बिंदुओं पर सूक्ष्मता से जांच की जा रही है। फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है, स्वजन भी कुछ बता नहीं रहे है। बहुत जल्द इस मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा तथा हत्यारे पुलिस गिरफ्त में होंगे। थानाध्यक्ष ने बताया कि हत्यारों तक पहुंचने के लिए वैज्ञानिक पद्धति से अनुसंधान किया जा रहा है। हालांकि, घटना के बाद से स्वजन दहशत में है।

21 जून को चौसा थर्मल पॉवर प्लांट का घेराव करेंगे संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य

केटी न्यूज/चौसा

- किसान नेता राकेश टिकैत व सांसद समेत कई किसान नेता होंगे शामिल, तैयारी में जुटा संयुक्त किसान मोर्चा

संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले पिछले तीन साल से आंदोलन कर रहे चौसा के किसान एक बार फिर से अपने आंदोलन को धार देंगे। संयुक्त किसान मोर्चा 21 जून को चौसा थर्मल पॉवर प्लांट का घेराव करेंगे। इस दौरान उनकी हौसला अफजाई के लिए राष्ट्रीय स्तर के किसान नेता राकेश टिकैत, स्थानीय सांसद सुधाकर सिंह समेत कई अन्य चर्चित किसान नेता मौजूद रहेंगे। प्रखंड के बनारपुर पंचायत मुख्यालय में आयोजित किसान पंचायत में बिहार संयुक्त किसान मोर्चा ने इसकी जानकारी दी है।

पंचायत में भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश प्रभारी दिनेश कुमार ने कहा कि चौसा का आंदोलन बिहार ही नहीं, पूरे देश के किसानों के लिए प्रेरणा बन गया है। उन्होंने चौसा थर्मल प्रबंधन और जिला प्रशासन पर आंदोलन को कुचलने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए कहा कि चौसा के किसान झुकने वाले नहीं है। किसान-मजदूर अब और मजबूती से लड़ाई लड़ेंगे।

वहीं, बिहार राज्य दूध उत्पादक संघ के अध्यक्ष अशोक प्रसाद सिंह ने कहा कि चौसा की जीत ने पूरे बिहार के किसान-मजदूरों में नई ऊर्जा भर दी है। उन्होंने चौसा थर्मल प्रबंधन की वादा खिलाफी और प्रशासन द्वारा किसान नेताओं पर किए गए झूठे मुकदमों की कड़ी निंदा की और सरकार से इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की। उन्होंने चेताया कि अगर सरकार ने किसानों की मांगें नहीं मानीं तो आने वाले चुनाव में जवाब मिलेगा।

किसान पंचायत में सर्वसम्मति से 21 जून को चौसा थर्मल पर ऐतिहासिक धरना देने का निर्णय लिया गया। इस निर्णय के साथ ही मोर्चा के नेता इस घेराव को सफल बनाने के लिए प्रचार प्रसार व रणनीति बनाने में जुट गए है।

हादसा: टायर टूटने से ई-रिक्शा पलटी, दंपति घायल; सदर अस्पताल में चल रहा है इलाज

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा-बक्सर मार्ग पर अचानक एक ई-रिक्शा का एक पहिया टूट गया, जिससे वह असंतुलित हो सड़क किनारे पलट गई। इस घटना में ई-रिक्शा पर सवार एक दंपति गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिन्हें स्थानीय लोगों के सहयोग से स्थानीय सीएचसी पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना के बाद ई-रिक्शा चालक वाहन छोड़ फरार हो गया।

यादव मोड़ और बारा मोड़ के बीच बक्सर की ओर जा रही एक ई-रिक्शा मिली जानकारी के अनुसार, नई बाजार निवासी गणेश रावत अपनी पत्नी सुशीला देवी को लेने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर गए थे। वापसी में दोनों एक ई-रिक्शा से नई बाजार लौट रहे थे। रास्ते में यादव मोड़ पार करने के बाद पेट्रोल पंप के पास अचानक रिक्शा का एक टायर निकलकर अलग हो गया, जिससे वाहन असंतुलित होकर पलट गया।

हादसे के बाद रिक्शा चालक मौके से फरार हो गया, जबकि दंपति घायल अवस्था में सड़क पर पड़े रहे। आते-जाते राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार, सुशीला देवी का पैर टूट गया है, वहीं गणेश रावत के कंधे में गंभीर चोट आई है। दोनों का इलाज फिलहाल सदर अस्पताल में जारी है।

बिजली की आंख मिचौली जारी

डुमरांव। पिछले एक महीने से अनियमित हुई बिजली आपूर्ति में राहत नहीं मिल पाई है। जिस कारण इस भीषण गर्मी के मौसम में लोगों की परेशानियां बढ़ गई है।

उपभोक्ताओं का कहना है कि 24 घंटे में उन्हें कभी भी निर्बाध गति से 3-4 घंटे बिजली भी नहीं मिल पा रही है, जबकि सरकार का सख्त निर्देश है कि शहरी क्षेत्र में 24 घंटे विद्युत आपूर्ति प्रदान की जाएगी।

दूसरी ओर, जानकारों का कहना है कि शहरी क्षेत्र में जिन तारों व उपकरणों के सहारे बिजली आपूर्ति दी जाती है वह काफी पुराना व जर्जर हो चुके है। जिस कारण यह समस्या बनी हुई है। सामाजिक कार्यकर्ता सोहराब कुरैशी ने इस समस्या का समधान कराने की मांग जिलाधिकारी से की है।

दूसरे दिन बरामद हुआ गंगा में डूबे किशोर का शव, मचा कोहराम

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

- शव मिले ही फफक पड़े सभी परिजन, मामा व पिता का रो-रोकर हो गया था बुरा हाल

गंगा में डूबे किशोर का शव 24 घंटे बाद बरामद किया गया है। शनिवार को करीब 10.30 बजे एसडीआरफ टीम को शव खोजने में मदद मिली। जैसे ही एसडीआरएफ की टीम ने शव को गंगा से बाहर निकाला, वहां मौजूद स्वजनों के क्रंदन चित्कार से माहौल गमगीन हो गया। हालांकि, स्वजनों ने उसका पोस्टमार्टम नहीं करवाया। उनके अनुरोध पर पुलिस ने जरूरी कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव उन्हें सुपुर्द कर दिया। जिसके बाद स्वजन शव को लेकर अंतिम संस्कार के लिए पैतृक गांव चले गए।

गंगा में डूबकी लगाने के साथ ही वह गहरे पानी में समा गया: भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के सरना भरौली गांव निवासी श्री प्रकाश मिश्र का 16 वर्षीय पुत्र सिद्धेश्वर कुमार मिश्र उर्फ सित्तू अपने ननिहाल ब्रह्मपुर आया था, जहां से शुक्रवार की सुबह वह अपने मामा मुन्ना पांडेय के साथ गंगा स्नान करने नैनीजोर के बिहार घाट पहुंचा था, लेकिन गंगा में डूबकी लगाने के साथ ही वह गहरे पानी में समा गया। जानकारों का कहना है कि गंगा में कटाव व दिशा बदलने के कारण अनजान लोगों के लिए बिहार की तरफ के घाट काफी खतरनाक बन गए है।

शुक्रवार को दानापुर से आई थी एसडीआरएफ टीम : इसकी जानकारी मिलते ही शुक्रवार को पहले स्थानीय गोताखोरों व बाद में दानापुर से आई एसडीआरएफ टीम ने देर शाम तक शव की तलाश की थी, लेकिन शव नहीं मिल सका था। अंधेरा होने के बाद एसडीआरएफ टीम ने शुक्रवार को शव खोजने का अभियान रोक दिया था। शनिवार को कुछ घंटे के अंदर ही टीम को सफलता मिल गई। घटना के बाद से स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। शव मिलते ही उनके जख्म फिर से हरे हो गए। पिता श्री प्रकाश, मामा मुन्ना, माता सुमन देवी समेत गांव व ननिहाल पक्ष से आए लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था।

चार भाई बहनों में था सबसे होनहार: ग्रामीण सूत्रों ने बताया कि मृतक चार भाई बहनों में सबसे छोटा था तथा काफी होनहार था। वह अपने माता पिता के साथ झारखंड के धनबाद में रहकर पढ़ाई करता था। वह अभी धनबाद से ही इंटरमीडिएट कर रहा था।

इस संबंध में नैनीजोर थानाध्यक्ष बिरेन्द्र प्रसाद ने बताया कि शव बरामद कर लिया गया है। स्वजनों के विशेष अनुरोध पर कागजी कार्रवाई पूरी कर बिना पोस्टमार्टम कराए ही उन्हें शव सौंप दिया गया।

विश्व रक्तदाता शिविर पर युवा शक्ति ने 20 रक्त वीरों को किया सम्मानित

महादान रक्तदान : रक्तदान से बचती है लोगों की जिंदगी, इसके लिए युवा हो प्रेरित

केटी न्यूज/बक्सर

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर आज युवा शक्ति सेवा संस्थान के द्वारा रक्तदाता सम्मान समारोह का आयोजन स्थानीय गोयल धर्मशाला में किया गया इस कार्यक्रम में वैसे लगभग 20 रक्त वीरों को सम्मानित किया गया, जो समय पूरा होने पर खुद से रक्तदान कर किसी की जिंदगी बचाते हैं। इस दौरान वैसे दिव्यांग साथियों को भी सम्मानित किया गया जो दिव्यांग होते हुए भी कई बार रक्तदान के लिए आगे आए हैं।

कार्यक्रम का आयोजन युवा नेता का रामजी सिंह के द्वारा किया गया। अपने संबोधन में रामजी सिंह ने कहा कि रक्तदान महादान है। हमारे द्वारा किए गए रक्तदान से लोगों की जिंदगियां बचती है। उन्होंने कहा कि अक्सर रक्त की कमी से लोगों की असमय मौत हो जाती है। ऐसे में रक्तबीर पीड़ितो की जान बचा उनके लिए देवदूत बन जाते है। इस अवसर पर उन्होंने शहर के युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित किया और कहा कि रक्तदान से शरीर को किसी तरह की कमजोरी या अन्य नुकसान नहीं पहुंचता है, बल्कि रक्तदान करने के बाद शरीर में रक्त बनने की प्रक्रिया और तेज हो जाती है। रामजी ने कहा कि वे खुद अपने जीवन में कई बार रक्तदान कर चुके है। उन्होंने कहा कि उनके प्रयास से शहर के दर्जनों युवा नियमित तौर पर रक्तदान करते है।

इस दौरान अतिथि के रूप में बिजली कंपनी के एसडीएम शिव कुमार , आईएमए के अध्यक्ष रितेश चौबे, आरटीआई कार्यकर्ता शिव प्रकाश राय एवं शिक्षाविद रामबिहारी सर शामिल रहें। इस मौके पर अतिथियों के द्वारा बारी-बारी से सभी रक्त वीरों को अंग वस्त्र देकर उत्साहवर्धन किया गया।

रक्त वीरों में प्रियेश, नसीम नायक, राजा बाबू, प्रभा रंजन, रविशंकर शर्मा, प्रमोद केसरी, जितेंद्र ठाकुर, प्रवीन रंजन, अभिषेक लोहिया, सौरभ टिबरेवाल, छोटू गुप्ता, सोनू कुमार गुप्ता, जितेंद्र कुमार, चन्दन कुमार, विनय कुमार, अखिलेश राय, प्रभात कुमार, शुभम कुमार, अखिलेन्द्र चौबे, आत्मानन्द पांडेय समेत कई अन्य शामिल रहें। मौके पर गोविंद यादव ,चंदन गुप्ता ,गोविंद जायसवाल ,कासिम कुरेशी, छोटू बाबा, राहुल केसरी समेत और लोग मौजूद रहे।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON

A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)

OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025

SCHOOL TOPPER- STD. XII

SARTHAK RAJ MISHRA 92%

SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII

Chemistry	: 98	Biology	: 91
English Core	: 97	Physics	: 91
Physical Education	: 96	Business Studies	: 86
Mathematics	: 92	Economics	: 83

TOPPERS- STD. X

1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%

SUBJECTWISE HIGHEST MARKS

Mathematics	100	Sanskrit	100	Social Science	97
Science	100	English	95	Hindi	94

INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!

REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.

SCHOLARSHIP SCHEME
- CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
- INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.

CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

शहीद सुनील सिंह यादव के परिजन से मिलने पहुंचे जिला प्रभारी मंत्री नीतीन नवीन, बोले...

पूरे देश के लिए प्रेरणा है सुनील की शहादत

♦ बोले... सैनिकों के सर कटने पर जिनकी बंद हो जाती थी बोलती वे भी दे रहे नसीहत

केटी न्यूज/चौसा

सुनील की वीरता भरी शहादत पूरे देश के लिए प्रेरणा बन चुकी है, खासकर युवा वर्ग में सुनील की शहादत की चर्चा हो रही है तथा युवा इससे देश सेवा के प्रति प्रेरित हो रहे है। शनिवार को चौसा प्रखंड के नरबतपुर गांव स्थित शहीद हवलदार सुनील यादव के घर पहुंच उनके स्वजनों से बातचीत के दौरान राज्य के पथ परिवहन व बक्सर जिले के प्रभारी मंत्री नीतीन नवीन ने कही। उन्होंने विपक्षी गठबंधन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि ये लोग क्या समझेंगे शहाद की कीमत, जिनके सत्ता में रहने पर सैनिकों के सर कटने पर बोलती बंद हो जाती थी। जबकि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उन्हीं सैनिकों के शौर्य के बल पर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया गया। भारत के शौर्य को आज पूरी दुनिया सलाम कर रही है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान महज कुछ घंटों में ही भारतीय सेना ने पाकिस्तान को धूल चटा दिया था।

प्रभारी मंत्री शहीद हवलदार के स्वजनों से मिल उन्हें ढांढस बंधाया और कहा कि सुनील ने जिस बहादुरी से दुश्मनों को मुंहतोड़ जबाव दिया तथा वह देश सेवा के कर्तव्य पथ के बलि वेदी पर खुद को अर्पित कर दिया, यह प्रेरणा बन गई है। सरकार शहीद के परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने केंद्र सरकार की नीति की सराहना करते हुए कहा कि आज देश की सुरक्षा मजबूत हाथों में है। अब हमारे सैनिकों को हर परिस्थिति में जवाब देने की छूट है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जिनके शासन में पाकिस्तान हमारे सैनिकों के सिर काट कर ले गया, वे उस समय चुप थे। आज वहीं लोग सेना और शहीदों की शहादत पर राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने देश के गौरव को नई ऊंचाई दी है। पाकिस्तान को उसके ही भाषा में जवाब मिला है। आज का भारत नया है, जो दुश्मन को उसी की भाषा में जवाब देना जानता है।

मंत्री ने कहा कि शहीदों का सम्मान वही कर सकता है, जो राष्ट्रहित में सोचता हो। विपक्ष को आत्ममंथन करना चाहिए, क्योंकि अब देश में ऐसी सरकार है जो न सिर्फ जवाब देती है, बल्कि दुश्मन को सबक सिखाने का साहस भी रखती है। नितिन नवीन ने कहा, आज जो देश सुरक्षित है, वह हमारे बहादुर सैनिकों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के कारण है। ऑपरेशन सिंदूर ने देश के गौरव को नई ऊंचाई दी है। जिस पाकिस्तान ने पहले हमारे सैनिकों को निशाना बनाया, उसी को अब करारा जवाब मिला है। उन्होंने कहा कि अब हमारी सरकार ने सेना को पूरी छूट दे दी है कि अगर पाकिस्तान गोली चलाए, तो जवाब में तोप के गोले दागे जाएं। यह नई सोच, नया भारत और नया नेतृत्व है जो दुश्मनों को उन्हीं की भाषा में जवाब देना जानता है। मंत्री ने यह भी कहा कि विपक्ष के नेताओं को शहीदों के सम्मान पर बोलने से पहले अपने पुराने रवैये पर आत्ममंथन करना चाहिए। क्योंकि अब देश में ऐसी सरकार है जो सिर्फ जवाब नहीं देती, बल्कि दुश्मन को सबक सिखाने का साहस भी रखती है।

प्रभारी मंत्री ने डुमरांव सर्किट हाउस में कोर कमिटी सदस्यों के साथ की बैठक: विधान सभा चुनाव को लेकर शनिवार को बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री सह बक्सर जिला के प्रभारी मंत्री नीतीन नवीन डुमरांव नगर के सर्किट हाउस पहुंचे। इस दौरान उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर डुमरांव एवं ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र के कोर कमिटी सदस्यों के साथ एक विशेष बैठक की। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन समेत एनडीए गठबंधन के तमाम प्रमुख नेता व पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री नितिन ने कहा कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में देशवासियों ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जताया है। अब हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में भी एनडीए को मजबूती से स्थापित करें। इसके लिए सभी कार्यकर्ता एवं घटक दलों को मिलकर समन्वय के साथ काम करना होगा।

जिले में आयोजित हुए 550 विकास शिविर

बक्सर। डॉ. अंबेडकर समग्र अभियान के तहत शनिवार को बक्सर सदर प्रखंड के सोनवर्षा पंचायत अंतर्गत कोठिया टोला के प्राथमिक विद्यालय कोठिया में विशेष विकास शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बिहार सरकार के पथ परिवहन मंत्री सह बक्सर जिले के प्रभारी मंत्री नीतीन नवीन ने भाग लिया।

इस मौके पर प्रभारी मंत्री ने बताया कि बक्सर जिले में 550 शिविर आयोजित किया जा चुके हैं जिसमें 44802 परिवारों तक 22 योजनाएं जैसे राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, श्रम कार्ड, जॉब कार्ड, विद्यालय में नामांकन, आंगनबाड़ी में नामांकन, शौचालय निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं बिजली कनेक्शन इत्यादि का लाभ पहुंचाया गया है। इसके लिए 45895 आवेदन प्राप्त हुए तथा 26097 का निष्पादन किया जा चुका है। कोठिया टोला के विशेष विकास शिविर में मिले 146 आवेदन: शनिवार को आयोजित विशेष विकास शिविर में बक्सर प्रखंड के कोठिया टोला में कुल 69 परिवारों से 146 आवेदन प्राप्त किए गए, जिसमें 111 का त्वरित निष्पादन किया गया। इस दौरान प्रभारी मंत्री द्वारा लाभुकों के बीच श्रम कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, जॉब कार्ड आदि का वितरण किया गया। जिसमें 19 श्रम कार्ड, तीन जन्म मृत्यु प्रमाण

पत्र, 29 मनरेगा जॉब कार्ड, 42 आयुष्मान कार्ड, 18 आंगनबाड़ी में नामांकन, दो राशन कार्ड बनाए गए एवं वितरित किया गया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आर्थिक व सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए संकल्पित है। इस विशेष विकास शिविर का यही उदेश्य है कि कमजोर वर्ग के लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से मिल सकें। वहीं, इस दौरान उप विकास आयुक्त द्वारा टोला अंतर्गत नाली गली एवं नल जल योजना का स्थलीय निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के बाद उप विकास आयुक्त ने संतोष जताया। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त बक्सर, अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर, जिला कल्याण पदाधिकारी बक्सर, प्रखंड के विभिन्न पदाधिकारी एवं अन्य विभागों के कर्मी उपस्थित थे।

एक नजर

चोरों ने रात के अंधेरे में घर में घुस लाखों के गहने और नकदी उड़ाई, प्राथमिकी दर्ज

बिक्रमगंज। नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नंबर आठ स्थित तमन्ना गैस गोदाम वाली गली में शुक्रवार की देर रात चोरी की एक बड़ी घटना सामने आई है । अज्ञात चोरों ने धीरेंद्र कुमार के घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये मूल्य के जेवरात और नगद राशि पर हाथ साफ कर दिया। घटना की सूचना पर स्थानीय लोगों के बीच सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार पीड़ित गृहस्वामी धीरेंद्र कुमार जो मूल रूप से सूर्यपुरा थाना क्षेत्र के शिवोबहार गांव के निवासी हैं,वर्ष 2019 से ही बिक्रमगंज में मकान बनाकर परिवार के साथ वार्ड संख्या-18 में रह रहे थे। शुक्रवार की रात करीब साढ़े ग्यारह बजे वे सपरिवार खाना खाकर मकान के ऊपरी मंजिल पर सोने चले गए थे। निचले फ्लोर को ताला लगाकर बंद कर दिया गया था। शनिवार की अहले सुबह लगभग साढ़े पांच बजे जब परिवार की नींद खुली तो उन्हें निचले तल पर खिड़की का ग्रिल टूटा हुआ मिला। घर की तलाशी लेने पर पता चला कि चोर खिड़की के रास्ते घर में घुसे और अलमारी में रखे कीमती जेवरात व नगद पर हाथ साफ कर गए। पीड़ित के अनुसार चोरों ने लगभग दस लाख रुपए मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात और करीब दस हजार रुपए नकद चोरी कर लिए हैं। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के मोहल्लेवासी घटनास्थल पर पहुंच गए। वहीं 112 नंबर की पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जिसके बाद स्थानीय थाना की पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुट गई । पीड़ित ने इस संबंध में अज्ञात चोरों के खिलाफ बिक्रमगंज थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।

टला हादसा: बस ने पेट्रोल पंप की दीवार में मारी टक्कर, बाल बाल बचे 40 यात्री

काराकाट। गोडारी पेट्रोल पंप पर शनिवार को एक भयानक हादसा हुआ। एनएच 120 पर टाटा-बक्सर चेतक बस अनियंत्रित होकर पेट्रोल पंप के बॉउंड्री दीवार से टकराई। इस घटना का कारण बाइक सवार युवक को बचाने की कोशिश थी। बस चालक ने अचानक ब्रेक मारी, जिससे बस अनियंत्रित हो गई और दीवार से टकरा गई। हालांकि, सौभाग्य से बाइक सवार सुरक्षित हैं। बस में सवार 40 से अधिक यात्री भी किसी प्रकार की चोट से बचे। बस के चालक को हल्की चोट आई है, लेकिन वह अब खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं।घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। काराकाट पुलिस भी वहां पहुंच गई और भीड़ तथा यात्रियों को संभाला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस बक्सर से जमशेदपुर, झारखंड जा रही थी। लेकिन इस घटना ने सभी को हिला दिया।

अभाविप ने की पक्षियों के लिए व्यवस्था

अकोढ़ीगोला (रोहतास)। भीषण गर्मी में जहां इंसानों को राहत की आवश्यकता है, वहीं पक्षियों के लिए भी यह मौसम अत्यंत कठिन होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अकोढ़ीगोला द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सकोरा अभियान चलाया गया, जिसके तहत पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की गई।इस पुनीत कार्य में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दक्षिण बिहार सूरज कुमार सोनी की विशेष भूमिका रही। अभियान के संचालन में नगर मंत्री आदित्य जी, नगर अध्यक्ष गौतम सर, प्रमुख अभिजीत कुमार, हेमंत कुमार, कृष्णा सोनी, सुमित कुमार, रौनक कुमार, पुष्पा कुमारी, निधि कुमारी सहित अन्य कार्यकताओं की सराहनीय भागीदारी रही। वही कार्यकताओं ने गांव-गांव जाकर मिट्टी के सकोरे लगाए और उनमें दाना-पानी भरकर पक्षियों के लिए सुरक्षित स्थानों पर रखा। यह अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणास्पद कदम है, बल्कि समाज को पशु-पक्षियों के प्रति करुणा और संवेदनशीलता का संदेश भी देता है। वही सूरज कुमार सोनी ने कहा कि पक्षी हमारे पर्यावरण का अभिन्न हिस्सा हैं। उनकी रक्षा करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। गर्मी के इस कठिन समय में उनका ध्यान रखना मानवता का प्रतीक है।

रंगकर्मी के निधन पर लोगों में शोक की लहर

डेहरी (रोहतास)। उत्तर प्रदेश के बरेली निवासी रंग कर्म के स्तंभ राकेश श्रीवास्तव, का निधन शनिवार को हो गया। उनके निधन पर स्थानीय रंग कर्म से जुड़े संस्थान में शोक की लहर दौड़ गई। देश की चर्चित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था अभिनव कला संगम सदस्यों ने डालमिया नगर स्थित संस्था के कार्यालय ड्रीम हाउस में एक शोक सभा का आयोजन कर दिवंगत आत्मा को शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। संस्था के निर्देशक कौशलेंद्र कुशवाहा, सचिव विनय मिश्रा ने कहा कि स्वर्गीय राकेश श्रीवास्तव देश ही नहीं दुनिया में रंग कर्म के क्षेत्र में एक वरिष्ठ रंग कमी के रूप में जाने जाते थे। अभिनव कला संगम से उनका लगाव इस कदर था, की वह अभिनव कला संगम के साथ सदैव परिवार की तरह रहते थे। शोक व्यक्त करने वालों में संरक्षक सीमल सिंह, डॉक्टर नवीन नटराज, डॉक्टर उदय कुमार सिन्हा , भूपेंद्र नारायण सिंह, डॉ वीरेंद्र कुमार, महासचिव प्रो रणधीर सिन्हा, सुमंत मिश्रा, कोषाध्यक्ष शिवजी गुप्ता, इंद्र कुमार बाघा, उर्मिला देवी, मुकुल मणि, संजय गुप्ता, मनोज गुप्ता, बैजू गुप्ता, संतोष राय समृद्धि व अन्य मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

केबल फॉल्ट से जला ट्रांसफार्मर

डुमरांव। स्थानीय शहर के कलावती लॉज मोड़ के समीप शनिवार की शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब अचानक ट्रांसफार्मर में शार्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते ट्रांसफार्मर धूं-धूं कर जलने लगा। आग लगते ही आसपास के लोग दहशत में आ गए और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों ने तुरंत बिजली विभाग को सूचना दी, जिसके बाद बिजली आपूर्ति बंद की गई। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस दौरान सूचना पर अग्निशमन वाहन भी पहुंचा, लेकिन उसके पहले स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पा लिया था। वहीं अगलगी के कारण चारों ओर अफरातफरी मची हुई थी।

बिना टिकट यात्रियों से वसूले 11.31 लाख

सासाराम। पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू मंडल में शुक्रवार को विशेष टिकट चेकिंग मेगा ड्राइव चलाया गया। इस अभियान में डीडीयू, गया। सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, भभुआ और जपला स्टेशनों पर फोर्ट्रेस चेक किया गया। मंडल के सभी स्क्वाड, स्टैटिक और स्लीपर के टिकट जांच कर्मी, वाणिज्य निरीक्षक और पर्यवेक्षक सहित वाणिज्य अधिकारी मौजूद रहे। ट्रेनों की जांच की गई। इस दौरान प्रीमियम, मेल एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों में यात्रियों के टिकटों की जांच की गई।

सुन्नी वफ्फ बोर्ड बक्सर के चेयरमैन बने सोहराब कुरैशी

.केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के युवा नेता व सामाजिक कार्यकर्ता सोहराब कुरैशी को बक्सर जिला सुन्नी वफ्फ का चेयरमैन बनाया गया। वहीं, बक्सर जिला सुन्नी वफ्फ बोर्ड की कार्यकारिणी भी गठित की गई है। उन्हें यह जिम्मेवारी बिहार स्टेट सुन्नी वफ्फ बोर्ड ने सौंपी है।

इसमें सोहराब को चेयरमैन के अलावे अब्दूल रशीद हाशमी को सचिव, अफजल हुसैन को कोषाध्यक्ष के अलावे कार्यसमिति में मो. मोइनुद्दीन, असलम अंसारी, वसीम अंसारी, इरशाद कुरैशी, नसीम अख्तर, मो. शम्साद, रजिया खातून, शम्स कलीम खां व अकरमुद्दीन खां को

शामिल किया गया है। चेयरमैन बनने के बाद सोहराब ने कहा कि उनका प्रयास बफ्फ के कार्यों को पारदर्शी तरीके से संचालित करना होगा तथा बक्सर जिले में सुन्नी मुसलमानों को उनका हक दिलाने का प्रयास करूंगा। वहीं, उन्हें सुन्नी वफ्फ बोर्ड बक्सर का चेयरमैन बनाए जाने पर उनके समर्थकों ने उन्हें बधाई दी है।

अनियमित आपूर्ति से परेशान लोगों ने लगाई गुहार

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नप के वार्ड 34 व 35 में स्थित दक्षिण टोला मोहल्ले में विद्युत आपूर्ति चरमरा गई है। इस कारण इन वार्डो के कई मोहल्लों में लोकल फाल्ट व लो वोल्टेज की समस्या बनी हुई है। लोगों का कहना है कि उन्हें लंबे समय किश्तों में बिजली मिल रही है, जिससे भीषण गर्मी में उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इस गंभीर समस्या को ले स्थानीय लोगों ने डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह व विद्युत कंपनी के एसडीओ राकेश कुमार दूबे से मिल समस्या के समाधान की गुहार लगाई है। विधायक ने इस समस्या से निजात दिलाने को लेकर लोगों को आश्वासन दिया है। वहीं विद्युत कंपनी के एसडीओ ने भी जल्द इस दिशा में कारवाई की बात कही। एसडीओ ने बताया कि उक्त क्षेत्र में लोगों को ट्रिपिंग की समस्या न हो इसके लिए विभाग ने एक नहीं दो दो बार प्रयास किया। दो दो बार नया ट्रांसफार्मर इंस्टॉल कराने के लिए भेजा लेकिन स्थानीय कुछ लोगों ने ही ट्रांसफार्मर लगाने का विरोध कर दिया, जिससे उक्त इलाके के ट्रांसफार्मर ओवरलोड के शिकार

है। एसडीओ ने उन्हें आश्वत किया कि जल्दी ही इस समस्या का समाधान कराया जाएगा। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि अवलंब राय की गली, भरोसा हजाम की गली, चुन्नी कमकर की गली, जूठेरी गोंड की गली, अहीर टोली, द्वारिका राय की गली और अनुसूचित जाति बस्ती सहित अन्य मोहल्लों में बिजली की अत्यधिक समस्या बनी हुई है। हर घंटे ट्रिपिंग हो रही है और वोल्टेज इतना कम रहता है कि पंखे, कूलर और फ्रीज जैसी जरूरी चीजें भी ठीक से नहीं चल पा रही है। गुहार लगाने वालों में अजय राय, संजय राय, मारुति नंदन राय, राकेश कुमार राय, शैलेश राय, आकाश राय, अमन राय, संजय कुमार, राजेश कुमार राय सहित कई अन्य युवा शामिल रहे।

विभाग ने पूछा शो-कॉज : अनुमंडलीय अस्पताल में अल्ट्रासाउंड बंद करना पड़ा महंगा, डीएस ने काटा वेतन

♦ सीएस ने मामले में डीएस को किया शो-कॉज

केटी न्यूज/डुमरांव

पिछले सोमवार को डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में रेडियोलाजिस्ट द्वारा बिना वजर ढाई घंटे तक अल्ट्रा साउंड कक्ष को बंद रखना महंगा पड़ गया है। इसकी खबर केशव टाइम्स द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने के बाद विभाग ने इस पर काफी सख्त ऐक्शन लिया है। सीएस ने इस मामले में अनुमंडलीय अस्पताल के डीएस से स्पष्टीकरण पूछते हुए लापरवाह रेडियोलाजिस्ट पर कार्रवाई का निर्देश दिया है।

सीएस के इस तेवर के बाद लगे हाथ डीएस ने उक्त रेडियोलाजिस्ट का एक दिन का वेतन काटते हुए उनसे स्पष्टीकरण पूछा है तथा स्पष्टीकरण का जबाव मिलने पर मंतव्य सहित प्रतिवेदन सीएस को सौंपा जाएगा, जिस पर उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उपाधीक्षक डॉ गिरीश कुमार सिंह ने बताया कि इस संबंध में दोषी जीएनएम के एक दिन के वेतन की कटौती की गई है। वहीं संबंधित चिकित्सा पदाधिकारी सह रेडियोलॉजिस्ट और अल्ट्रासाउंड का संचालन करने वाले डॉ प्रेमचंद प्रसाद पर लेट लतीफी का कारण पूछते हुए उनसे स्पष्टीकरण की मांग की जाएगी। स्पष्टीकरण का प्रत्युत्तर मिलते ही इस मंतव्य को वरीय पदाधिकारी को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि वे उस दिन विभागीय निर्देश पर ही ब्रह्मपुर में एक मामले की जांच करने पहुंचे थे। सीएस के स्पष्टीकरण का प्रत्युत्तर उन्होंने विभाग को उपलब्ध करा दिया है। बता दें कि डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में सोमवार को प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) के दिन अस्पताल में आईं दर्जनों गर्भवती महिलाओं को घंटों इंतजार करना पड़ा था क्योंकि अल्ट्रासाउंड कक्ष का ताला सुबह 11.38 बजे तक नहीं खुल सका था।

महरौरा में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट, एक गिरफ्तार

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय थाना क्षेत्र के महरौरा मोहल्ले में मामूली विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इसमें दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान ललन राजभर के रूप में हुई है। घटना को लेकर पहले पक्ष के मुन्ना राजभर ने थाना में लिखित शिकायत दी है। उन्होंने बताया कि वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के जमानियां थाना क्षेत्र के सोहरिया गांव का निवासी है और कुछ दिनों के लिए डुमरांव स्थित अपने पैतृक घर आया था। इनका आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले ललन राजभर व उसके दो साथियों ने पुरानी रंजिश को लेकर पीड़ितों के परिवार पर अचानक लाठी-डंडे से हमला कर दिया। हमले में मुन्ना की बहन, मां और पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि आरोपी आए दिन किसी न किसी बात को लेकर उनके परिवार से उलझते रहते थे।

नप उप निवार्चान को स्वच्छ व निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए एडीएम ने आयोजित की बैठक

क्रिटिकल मतदान केंद्रों की पहचान करें: एडीएम

केटी न्यूज/बक्सर

नगरपरिषद उप निर्वाचन 2025 को स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण वातावरण में तथा सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए डीएमके निर्देशों के आलोक में शनिवार को एडीएम कुमारी अनुपम सिंह ने सभी कोषांग के पदाधिकारियों के साथ कार्यालय कक्ष में समीक्षा बैठक की।

समीक्षा बैठक के दौरान अपर समाहर्ता ने नोडल पदाधिकारी कार्मिक प्रबंधन कोषांग को सभी विभागों से कर्मियों की अद्यतन सूची प्राप्त करने का निर्देश दिया। नोडल पदाधिकारी प्रशिक्षण कोषांग को निर्देश दिया गया कि मतदान एवं मतगणना से संबंधित सभी पदाधिकारी एवं कर्मियों को ससमय प्रशिक्षण देना सुनिश्चित करेंगे।

नोडल पदाधिकारी सामग्री कोषांग को निर्देश दिया गया कि मतदान केंद्र की संख्या के आलोक में मतदान सामग्रियों, प्रपत्रों की आवश्यकता का आंकलन करते हुए जिला पंचायत कार्यालय को मांग पत्र उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे, ताकी समय से उचित मात्रा में सामग्री मिल सकें। उन्होंने ईवीएम कोषांगके नोडल पदाधिकारी को निर्देश दिया कि निर्वाची पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर आवश्यकतानुसार ईवीएम का आंकलन कर लेंगे तथा रेंडमाइजेशन की कार्रवाई करेंगे।

नोडल पदाधिकारी नगर निकाय निर्वाचन कोषांग को निर्देशित किया गया कि सभी कोषांगों से समन्वय स्थापित कर उन्हें आवश्यक सामग्रियों को तत्परता से आपूर्ति करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही समय समय पर आयोग से प्राप्त निर्देशों से सभी पदाधिकारी को अवगत कराएंगे। जबकि, नोडल पदाधिकारी विधि व्यवस्था कोषांग को निर्देशित किया गया कि क्रिटिकल मतदान केंद्रों की पहचान करेंगे तथा वहां, दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की कार्रवाई करेंगे। साथ ही, निर्वाचन कार्य में संलग्न पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि राज्य निर्वाचन आयोग से समय-समय पर प्राप्त निदेशों के आलोक में कार्रवाई करेंगे।

गौरतलब हो कि बक्सर नप में उप चेयरमैन व एक वार्ड पार्षद समेत दो पदों पर उप चुनाव होना है। इसकी अधि सूचना जारी कर दी गई है। वहीं, उप चुनाव के लिए सदस्यों ने नामांकन फार्म भी जमा कर दिए है। चुनाव की तिथियां नजदीक आते ही जिला प्रशासन द्वारा स्वच्छ व पारदर्शी तरीके से चुनाव संपन्न कराने की कवायदें शुरू कर दी गई है।

मंगली लाल मंडल होंगे आरजेडी के नए प्रदेश अध्यक्ष, नामांकन किया दाखिल

♦ आरजेडी कार्यालय में पार्टी के राज्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ तनवीर हसन के समक्ष नामांकन-पत्र किया दाखिल

केटी न्यूज/पटना

मंगनी लाल मंडल ने बिहार आरजेडी के अध्यक्ष पद के लिए शनिवार (14 जून) को नामांकन दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने के लिए वो नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के साथ गाड़ी से पार्टी कार्यालय पहुंचे। नामांकन के वक्त आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव, राबड़ी देवी और मीसा भारती भी मौजूद थीं। मंगनी लाल मंडल का निर्विरोध निर्वाचन तय है। क्योंकि सिर्फ उन्होंने ही अध्यक्ष पद के लिए नामांकन किया है। आरजेडी कार्यालय में पार्टी के राज्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ तनवीर हसन के समक्ष नामांकन-पत्र दाखिल किया है। 19 जून को पटना के ज्ञान भवन में आरजेडी के राज्य परिषद की बैठक में उनके नाम की औपचारिक घोषणा होगी। वहीं राजनीतिक सूत्रों के अनुसार कहना है कि लंबे समय से इस बात की चर्चा चल रही थी कि मंगली लाल मंडल ही अगले प्रदेश होंगे। यह बात सच होती दिखाई दे रही है। जल्द ही इस का अंतिम मोहर लगने वाली है।

मंगनी लाल मंडल लेंगे जगदानंद सिंह की जगह

जगदानंद सिंह की जगह 76 वर्षीय मंगनी लाल मंडल को बिहार आरजेडी अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने जा रही है। उनके जरिए अत्यंत पिछड़ा वर्ग को चुनावी वर्ष में साधने की कोशिश में आरजेडी है। वह अति पिछड़े समाज के बड़े नेता हैं। बिहार में इस वर्ग की आबादी सबसे अधिक 36 फीसदी है। मंगनी लाल मंडल लंबे समय तक आरजेडी में थे। उसके बाद जेडीयू में चले गए थे .इसी साल जनवरी में जेडीयू छोड़ वापस आरजेडी में आ गए। 1986 से 2004 तक बिहार विधान परिषद के सदस्य थे। इस अवधि के दौरान वे राज्य कैबिनेट में मंत्री भी थे। 2004 से 2009 तक राज्यसभा सांसद भी रह चुके हैं। बिहार में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होंगे। अब आरजेडी को इस फैसले से चुनाव में कितना लाभ होगा यह समय बताएगा।

7वें प्रदेश अध्यक्ष होंगे मंगनी लाल: पूर्व मंत्री मंगनी लाल मंडल आरजेडी के सातवें प्रदेश अध्यक्ष होंगे। वह जगदानंद सिंह की जगह लेंगे, जो बिहार विधानसभा उपचुनाव (नवंबर 2024) के बाद से कम सक्रिय दिख रहे थे। आपको बताएं कि 1997 में पार्टी के गठन के बाद सबसे पहले कमल पासवान इस पद पर आसीन हुए थे। उसके बाद उदय नारायण चौधरी, पीतांबर पासवान, अब्दुल्ल बारी सिद्दीकी और रामचंद्र पूर्वे भी प्रदेश अध्यक्ष रहे थे। 2019 से जगदानंद सिंह प्रदेश अध्यक्ष थे। जगदानंद के कार्यकाल को कई बदलावों के लिए जाना जाता है।

एसएसबी जवानों के पास से 53 किलो चरस बरामद

पश्चिमी चंपारण। पश्चिमी चंपारण जिले के सिकटा थाना क्षेत्र के वरदही गांव के समीप से एसएसबी के जवानों ने एक तस्कर को गिरफ्तार करते हुए 53 किलो चरस बरामद किया है। एसएसबी सूत्रों ने शनिवार को बताया कि सूचना मिली कि मादक पदार्थ के सौदागर भारी मात्रा में मादक पदार्थ की खेप लेकर भारतीय सीमा में प्रवेश कर गए हैं और वह इसे भारत के अन्य क्षेत्रों में भेजने के फिराक में है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसएसबी ने संभावित मार्ग की घेराबंदी की।

वैशाली जिले के नवादा गांव में हुई घटना, युवक कंप्यूटर टीचर था युवती उसकी छात्रा

प्रेम-विवाह के दूसरे दिन दूल्हा व दुल्हन का कमरे में मिला शव

♦ पुलिस ने जताई आशंका कि पति-पत्नी ने जहरीला पदार्थ खाकर किया है सुसाइड

केटी न्यूज/पटना

बिहार के वैशाली जिले से एक झकझोर कर रख देने वाली घटना सामने आई है, जहां पर शादी के दो दिन बाद दूल्हा और दुल्हन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। दोनों का शव एक कमरे से बरामद किया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, मामला जिले के नवादा गांव का है। मृतकों की पहचान नवादा गांव के रहने वाले पप्पू कुमार और समस्तीपुर जिले के पटोरी की रहने वाली प्रिया गुप्ता के रूप में हुई है। पप्पू कुमार कंप्यूटर टीचर था। बताया जा रहा है कि पप्पू कुमार और प्रिया गुप्ता की पहली मुलाकात पटोरी में कोचिंग क्लास के दौरान हुई थी। प्रिया गुप्ता वहां पर पढ़ने के लिए आती थी। इसी दौरान दोनों में दोस्ती हुई और फिर धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों ने शादी करने का फैसला किया और घर से भागकर कोर्ट मैरिज कर ली।

इसके बाद पप्पू अपनी पत्नी को लेकर अपनी बहन के घर आ गया तो उन्होंने दोनों को एक दोस्त के घर पर रूकवाया। बताया जाता है कि शनिवार को जब दोनों नहीं उठे तो परिजन उन्हें जगाने पहुंचे, लेकिन अंदर से दरवाजा बंद था। इसके बाद उन्होंने दरवाजा तोड़ा और अंदर देखा तो दोनों बेहोशी की हालत में पड़े हुए थे। आनन-फानन में दोनों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन यहां पर चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस को आशंका है कि पति-पत्नी ने जहरीला पदार्थ खाकर सुसाइड किया है। फिलहाल, पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति साफ हो सकेगी। वहीं, शव मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

वलीमा में जा रहे बाप-बेटे की मौत

समस्तीपुर। समस्तीपुर के राष्ट्रीय राजमार्ग-28 पर पांड़ बसढिया गांव के पास शनिवार को डंपर की ठोकर से बाइक सवार बाप-बेटे की मौत हो गई। गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर दिया। दोनों वलीमा में शामिल होने के लिए जा रहे थे। गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर दिया। मृतक की पहचान दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के कमरांव वार्ड-दो निवासी मोहम्मद अनाबुल हक (63) और उनके बेटे मोहम्मद इरशाद (40) के रूप में की गई है। घटना की सूचना पर दलसिंहसराय थाने की पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। घटना के बाद डंपर चालक गाड़ी से कूद कर फरार हो गया। बाद में पुलिस ने डंपर को जब्त कर लिया है। मृतक के भाई मोहम्मद नौशाद ने बताया कि उनके भाई अनाबुल हक गांव में ही खेती करते थे।

सड़क दुर्घटना में 2 किशोर की मौत

मोतिहारी। मोतिहारी में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के राजपुर रोड स्थित माननपुर बाजार के पास एक सड़क दुर्घटना में 2 किशोरों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतकों की पहचान कोटवा थाना क्षेत्र के मदुआहा गांव निवासी पारस भगत का बेटा विपिन कुमार (16) और कल्याणपुर थाना क्षेत्र के परसौनी वाजिद पंचायत अंतर्गत तेनुआ गांव निवासी कुंदन पटेल (17) के रूप में की गई है।

पटना एसएसपी सहित 18 आईपीएस का हुआ तबादला, स्वीटी बनी पूर्णिया एसपी

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधान सभा चुनाव से पहले एक बार फिर बिहार सरकार ने एक साथ 18 आईपीएस का ट्रांसफर किया गया है। उनमें पटना के एसएसपी अवकाश कुमार भी शामिल हैं। 2014 बैच के आईपीएस अधिकारी और पूर्णिया के एसपी कार्तिकेय शर्मा को पटना एसएसपी बनाया गया है, जबकि पटना सेंट्रल एसपी स्वीटी सहरावत को पूर्णिया एसपी बनाया गया है। बिहार गृह विभाग ने अधिसूचना जारी करते हुए इस बात की जानकारी दी है। 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी और पटना के एसएसपी अवकाश कुमार को बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-1 के समादेष्टा की जिम्मेदारी दी गई है। 2014 बैच के आईपीएस अधिकारी चन्द्र शेखर प्रसाद विद्यार्थी को पटना के विधि-व्यवस्था पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी दी गई है। इससे पहले वह अपराध अनुसंधान विभाग में पुलिस अधीक्षक (डी) थे। 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी अशोक मिश्रा को विशेष शाखा, बिहार, पटना में पुलिस अधीक्षक (जी) की जिम्मेदारी दी गई है। वर्तमान में वह समस्तीपुर के एसपी थे। 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी शैशव यादव को सहायक पुलिस महानिरीक्षक (आधुनिकीकरण) की जिम्मेदारी दी गई है। वर्तमान में वह सुपौल के एसपी थे। 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी विद्या सागर को ईआरएसएस का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। वर्तमान में वह मुजफ्फरपुर के ग्रामीण पुलिस अधीक्षक थे। 2017 बैच के आईपीएस अधिकारी विनीत कुमार को जहानाबाद का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। वर्तमान में वह विशेष शाखा पटना में पुलिस अधीक्षक (जी) के पद पर पदस्थापित थे। 2017 बैच के आईपीएस अधिकारी प्रमोद कुमार यादव को अपराध अनुसंधान विभाग का पुलिस अधीक्षक (डी) की जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही उन्हें विशेष कार्य बल (अभियान) के पुलिस अधीक्षक का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा। फिलहाल वह बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-1 के समादेष्टा के पद पर थे।

मुजफ्फरपुर में सीएम नीतीश ने बैग फैक्ट्री का किया उद्घाटन

मुजफ्फरपुर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमारमुजफ्फरपुर के बेला इंडस्ट्रियल एरिया पहुंचे। जहां उन्होंने एक बैग फैक्ट्री का उद्घाटन किया। फैक्ट्री का निरीक्षण करते हुए मुख्यमंत्री ने बैग निर्माण की प्रक्रिया को नजदीक से देखा और मौके पर मौजूद अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने फैक्ट्री में बन रहे उत्पादों की गुणवत्ता की भी जांच की और कर्मचारियों से बातचीत की। मुख्यमंत्री करीब आधे घंटे तक फैक्ट्री परिसर में रुके। मुख्यमंत्री के साथ डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा, राज्य सरकार के कई मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। सीएम के आगमन को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने इस अवसर पर कहा कि बिहार में लगातार औद्योगिक विकास हो रहा है।

आईएएस, आईपीएस और आइएफएस एसोसिएशन ने एकत्रित किए 207 यूनिट रक्त

पटना में विश्व रक्तदान दिवस पर राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया रक्तदान

♦ 207 लोगों ने अपनी स्वेच्छा रक्तदान कर पीड़ित मानवता की सेवा के प्रति अपने संकल्प को किया व्यक्त

केटी न्यूज/पटना

विश्व रक्तदान दिवस पर बिहार कैडर के आईएएस, आईपीएस और आइएफएस अधिकारियों और उनके परिवार द्वारा लगाए गए रक्तदान शिविर में शनिवार को कुल 207 लोगों ने अपनी स्वेच्छा रक्तदान कर पीड़ित मानवता की सेवा के प्रति अपने संकल्प को व्यक्त किया है। इस रक्तदान शिविर का आयोजन बिहार आईएएस एसोसिएशन, बिहार आईपीएस एसोसिएशन और बिहार आइएफएस एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस रकदान शिविर से कुल 207 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया और उसे अस्पतालों को सौंप दिया गया, ताकि इस रक्त से बीमार लोगों को पुनः नया जीवन दिया जा सके। इस रक्तदान शिविर का उद्घाटन बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, बिहार के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, राज्य के प्रधान मुख्य वन संरक्षक प्रभात कुमार गुप्ता और राज्य के पूर्व मुख्य सचिव वीएस दुबे ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा ने कहा कि रक्तदान ही महादान है। आपके द्वारा दान किए गए रक्त से किसी का जीवन बचाया जा सकता है। रक्तदान करके हम पीड़ित मानवता की सच्ची सेवा कर सकते हैं। इस रक्तदान शिविर के आयोजन में आईएएस वाइव्स एसोसिएशन, आईपीएस वाइव्स एसोसिएशन और आइएफएस वाइव्स एसोसिएशन ने भी अपना योगदान किया है।बता दें कि हर वर्ष 14 जून को विश्व रक्तदान दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन उन स्वैच्छिक और अवैतनिक रक्तदाताओं को समर्पित है जो अपने रक्तदान के माध्यम से अनगिनत लोगों का जीवन बचाते हैं। यह मानवता के प्रति न केवल आभार व्यक्त करने का अवसर है, बल्कि सुरक्षित और नियमित रक्तदान की निरंतर आवश्यकता को उजागर करने का भी समय है।

संक्षिप्त समाचार

श्रावणी मेला में स्पेशल ट्रेनें चलायेगा रेलवे, सुल्तानगंज में कई ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव

देवघर, एजेंसी। देवघर में 11 जुलाई से पावन श्रावणी मेला शुरू होने वाला है। इसे लेकर जिला प्रशासन और नगर निगम से लेकर रेलवे तक तैयारियों में जुटा है। बता दें कि श्रावणी मेला को देखते हुए पूर्व रेलवे ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। रेलवे ने मेला के दौरान विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। जानकारी के अनुसार, देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथधाम में श्रावणी मेला के दौरान हर साल लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। इनमें बड़ी संख्या में ऐसे श्रद्धालु होते हैं, जो सुल्तानगंज से कांवर लेकर देवघर तक की पदयात्रा (कांवर यात्रा) करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने इस बार मेला अवधि के दौरान विशेष ट्रेनें चलाने और सुल्तानगंज स्टेशन पर प्रमुख ट्रेनों के अतिरिक्त ठहराव देने का निर्णय लिया है। इस बात की जानकारी आसनसोल मंडल की ओर से दी गयी।

कोल्हान के 3 जिलों में आजसू की जिला संयोजक मंडली बनी

रांची, एजेंसी। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो के निर्देश पर संगठन विस्तार के लिए कोल्हान प्रमंडल के तीनों जिलों में जिला संयोजक मंडली की नियुक्ति की गई है। पार्टी के प्रधान महासचिव सह पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। सहिस ने बताया कि पार्टी की पहले से गठित जिला समिति पूर्ववत अपना नियमित कार्य करती रहेगी। जबकि, नवनियुक्त जिला संयोजक मंडली जिले में संगठन के पुनर्गठन के अभियान का नेतृत्व करेगी। साथ ही साथ ग्राम एवं प्रखंड समितियों के गठन तथा विस्तार के कार्यक्रमों के आयोजन को गति देने का काम करेगी। उन्होंने बताया कि संगठन विस्तार अभियान के तहत जमशेदपुर नगर प्रभारी चंद्रगुप्त सिंह तथा आदित्यपुर नगर प्रभारी रविशंकर मौर्य को नियुक्त किया गया है।

पूर्वी सिंहभूम : सागेन हांसदा (संयोजक), सुखलाल हेंब्रम, आदित्य महतो, बीरबल महतो, क्रांति सिंह, श्रवण सिंह, डोमन टुडू, संजय मालाकार, बुद्धेश्वर मुर्मू, दीपक अग्रवाल, राजू कर्मकार, प्रकाश विश्वकर्मा।

पश्चिमी सिंहभूम : दामू बानरा (संयोजक), नंदलाल बिरुआ, चंद्रमोहन सिंकू, संतोष महतो, अजय कुमार महतो, दिनेश चंद्र महतो, डॉ. आनंद महतो, दिनेश चंद्र बोइपाई, प्रताप सिंह देव, बिरसा मुंडा।

खरसावां-सरायकेला : संयोजक सत्यनारायण महतो , अशोक साहू, प्रवीण महतो, सुषेण महतो, अनिल महतो, रामरतन महतो, दुर्गा महतो, दिनेश हांसदा, अंगूर महतो, दिलीप महतो, गौरी लायक, पुलक सत्पथी, डॉ. सुधीर सिंह।

राज्य के 64 डिग्री कॉलेजों में अब इंटर के स्टूडेंट्स का नहीं होगा एडमिशन

रांची, एजेंसी। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह ने गुरुवार को राज्य के सभी उपायुक्तों को इस संबंध में पत्र जारी किया। इस निर्णय के तहत राज्य के 9 विश्वविद्यालयों के अधीन 64 अंगीभूत डिग्री कॉलेजों में अब इंटरमीडिएट की पढ़ाई नहीं होगी। पिछले सत्र (2024-26) में रांची यूनिवर्सिटी (आरयू) के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा ने अपने 14 अंगीभूत कॉलेजों में इंटरमीडिएट में नामांकन पर रोक लगा दी थी। इस फैसले को चुनौती देते हुए मामला झारखंड हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने 17 जनवरी 2025 को रांची यूनिवर्सिटी के पक्ष में फैसला सुनाया। हालांकि, इस दौरान रांची यूनिवर्सिटी के तीन कॉलेजों में इंटरमीडिएट में नामांकन हो चुका था। इन छात्रों को जिला शिक्षा पदाधिकारी, रांची की पहल पर प्लस टू हाईस्कूलों में स्थानांतरित किया गया। लेकिन अन्य विश्वविद्यालयों के कॉलेजों में पहले की तरह नामांकन जारी रहा। इधर, स्कूली शिक्षा सचिव ने पत्र में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में यह निर्णय लिया गया है। राज्यपाल सह कुलाधिपति ने भी विश्वविद्यालयों को इंटरमीडिएट में नामांकन बंद करने का निर्देश दिया था।पिछले सत्र (2024-26) में जिन छात्रों ने अंगीभूत कॉलेजों में इंटरमीडिएट में नामांकन लिया, उन्हें 5 किलोमीटर की परिधि में स्थित प्लस टू हाईस्कूलों, स्थापना अनुमति प्राप्त या प्रस्वीकृत इंटर कॉलेजों में स्थानांतरित किया जाएगा। जिससे वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सकेंगे।

झारखंड शराब घोटाला

गिरफ्तार एजेंसी कर्मी नीरज से एसीबी की कड़ी पूछताछ, फंसेगी अफसरों की गर्दन, उगले कई राज

रांची, एजेंसी। बहुचर्चित शराब घोटाले की जांच में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने अपनी कार्रवाई को और तेज कर दिया है। शुक्रवार को एसीबी ने घोटाले में गिरफ्तार मार्शन इनोवेटिव सिक्यूरिटी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि नीरज कुमार सिंह से रिमांड के दौरान कड़ी पूछताछ की। पूछताछ में नीरज ने कई सनसनीखेज खुलासे किए हैं।

उसने स्वीकार किया कि वह शराब की बिक्री में अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से अधिक वसूले गए पैसे को अवैध तरीके से इकट्ठा कर वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाने का काम करता था। नीरज को इस काम में वरीय अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त था, और वह उत्पाद सचिव मनोज कुमार के एक करीबी रिश्तेदार के संपर्क में था, जिसके माध्यम से यह राशि ऊपर तक पहुंचाई जाती थी।

एसीबी की जांच में सामने आया है कि नीरज कुमार सिंह इस घोटाले में वसूली का एक प्रमुख किरदार था। वह निजी प्लेसमेंट एजेंसी मार्शन के लिए काम करता था, जो झारखंड में शराब दुकानों के लिए मैनपावर सप्लाई करती थी।

जांच में पाया गया कि शराब की प्रत्येक बोतल, विशेषकर बीयर पर 10 रुपये की अतिरिक्त वसूली की जाती थी, जिससे एक साल

में 57 करोड़ रुपये से अधिक की राशि इकट्ठा की गई। यह राशि नीरज और उत्पाद सचिव मनोज कुमार के कथित करीबी रिश्तेदार अंशु के जरिए वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाई जाती थी। अंशु को हर महीने इस अवैध वसूली से 50 लाख रुपये दिए जाते थे।

एसीबी ने नीरज से फर्जी बैंक गारंटी के मामले में भी पूछताछ की। नीरज ने मार्शन और विजन हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज जैसी कंपनियों के लिए फर्जी बैंक गारंटी जमा की थी, जिसके आधार पर इन्हें शराब दुकानों के लिए मैनपावर सप्लाई का ठेका मिला। नीरज ने इन फर्जी गारंटियों के नवीकरण के लिए झारखंड हाईकोर्ट में भी फर्जी दस्तावेज दाखिल किए थे।

पूछताछ में नीरज ने दावा किया कि उसने यह सब प्लेसमेंट एजेंसियों के निर्देश पर किया, लेकिन एसीबी सूत्रों का कहना है कि इसके पीछे वरिष्ठ अधिकारियों की मिलीभगत थी। इस घोटाले में अब तक पूर्व उत्पाद सचिव विनय कुमार चौबे, संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह, जेएसबीसीएल के पूर्व महाप्रबंधक सुधीर कुमार और सुधीर कुमार दास सहित कई लोग गिरफ्तार हो चुके हैं।

एसीबी ने उत्पाद सचिव मनोज कुमार और पूर्व आयुक्त अमित प्रकाश को भी पूछताछ के लिए समन जारी किया है। साथ ही, दो आइएएस अधिकारियों करण सत्यार्थी और फैज अक अहमद, जो इस घोटाले को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं, से गवाह के तौर पर पूछताछ की जाएगी। कई शराब कंपनियों और प्लेसमेंट एजेंसियों के निदेशकों को भी समन भेजा गया है।

जांच में यह भी सामने आया है कि 2022 की नई उत्पाद नीति में जानबूझकर बदलाव किए गए, जिससे फर्जी होलोग्राम और अवैध शराब बिक्री को बढ़ावा मिला। इस नीति से राज्य को 38 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व नुकसान हुआ।

एसीबी के अनुसार, नीरज की पूछताछ से घोटाले के और बड़े खुलासे होने की संभावना है। जांच एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस अवैध राशि का कितना हिस्सा किस-किस अधिकारी तक पहुंचा और क्या इसमें और भी बड़े नाम शामिल हैं।

रांची यूनिवर्सिटी की परीक्षा नियंत्रक आशा कुमारी प्रसाद ने दिया इस्तीफा

रांची, एजेंसी। आरयू (रांची विश्वविद्यालय) की परीक्षा नियंत्रक डॉ। आशा कुमारी प्रसाद ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इस्तीफे में स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया है। मात्र डेढ़ महीने पहले ही उनकी नियुक्ति इस पद पर हुई थी, जो कि राजभवन की स्वीकृति के बाद प्रभावी हुई थी। डॉ। आशा कुमारी प्रसाद विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान (होम साइंस) विभाग में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा नियंत्रक की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इससे पहले यह पद डॉ। विकास कुमार के पास था। डॉ। प्रसाद ने पत्र में लिखा कि संबंधित समस्याओं के चलते वह वर्तमान में परीक्षा नियंत्रक जैसा जिम्मेदारीपूर्ण पद को सही ढंग से संभाल नहीं सकतीं, इसलिए उन्होंने त्यागपत्र देना उचित समझा। गौरतलब है कि वर्तमान समय में परीक्षा विभाग से जुड़े कई अहम कार्य प्रगति पर हैं। एक ओर जहाँ जेपीएससी इंटरव्यू की प्रक्रिया चल रही है, वहीं छात्रों को डिग्री, अंकपत्र (मार्कशीट) की आवश्यकता है।

खरसावां में मासांत पर्व की धूम, छऊ नृत्य का किया गया आयोजन

खरसावां, एजेंसी। खरसावां के सांडेबुरु में मांसत पर्व पर वार्षिक छऊ नृत्य का आयोजन किया गया। जानकारी के अनुसार, खरसावां के चिलकु पंचायत अंतर्गत सांडेबुरू गांव में शुक्रवार मासांत पर्व मनाया गया। इस दौरान रात को वार्षिक छऊ नृत्य का आयोजन हुआ। शुक्रवार की सुबह 10 बजे गांव की खुशहाली के लिए मां पाऊडी का विधिवत पूजा किया गया। इसके बाद रात 10 बजे से मां पाऊडी कला केंद्र सांडेबुरु एवं केंदुआ के कलाकारों ने छऊ नृत्य से समा बांधा।

इस दौरान कलाकारों द्वारा धार्मिक, पौराणिक और सामाजिक तथ्यों पर आधारित छऊ नृत्य प्रस्तुत किया गया। मालूम हो कि सांडेबुरू गांव में 1960 से हर वर्ष मासांत पर्व के अवसर पर वार्षिक छऊ नृत्य का आयोजन किया जाता है। गणेश वंदना के साथ छऊ नृत्य का शुभारंभ किया गया। वहीं, कलाकारों ने महाभारत पर आधारित द्रौपदी वस्त्र हरण नृत्य से दर्शकों को मुग्ध कर दिया। कलाकारों द्वारा शिकार पर आधारित जोरा सबर , कृष्ण लीला, भगीरथी गंगा, बेहुला - लखींद्र, द्रौपदी वस्त्र हरण, महिरावण बोध, जगधात्री पूजा, राजा हरिश्चंद्र नृत्य को जीवंत रूप दिया गया।

इस मौके पर ग्रामीण मेला का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी तादाद में लोग मेले का आनंद लेने पहुंचे थे। मान्यता है कि मासांत पर्व में केवल सरायकेला खरसावां ही नहीं बल्कि ओडिशा के लोगों में भी खासा उत्साह देखने को मिलता है। सभी इसे बड़े धूमधाम से मानते हुए अपनी परंपरा व संस्कृति को जीवंत करते हैं। इस दिन हर एक घरों में पकवान बनाए जाते हैं। सभी वर्ग के लोग मासांत पर्व को बड़ी ही धूमधाम के साथ संपन्न करते हैं।

इस दौरान मौके पर आयोजन समिति के सदस्य दिनेश कुमार महतो, डॉ जगदीश प्रसाद महतो, डॉ सदानंद महतो, रंजन महतो, अशोक महतो, दीपक महतो, गदाधर महतो, सुबोध महतो, विश्वजीत महतो, प्रदीप महतो, अनंत महतो, गोमाचरण महतो, पूर्णचंद्र महतो आदि गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

पीएम मोदी के आर्थिक सलाहकार गौरव का जमशेदपुर से है गहरा नाता, कांग्रेस छोड़कर भाजपा में हुए थे शामिल

जमशेदपुर, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और अर्थशास्त्री प्रो. गौरव वल्लभ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) में सदस्य नियुक्त किया गया है। राजस्थान के जोधपुर जिले के पीपाड़ गांव में जन्मे वल्लभ का जमशेदपुर से गहरा नाता रहा है।

उन्होंने 2003 से 2017 तक एक्सएलआरआई जमशेदपुर में प्रोफेसर के रूप में कार्य किया। इस दौरान उन्होंने न केवल अर्थशास्त्र और वित्त के क्षेत्र में शिक्षण किया, बल्कि देश-विदेश में व्याख्यान देकर अपनी विशेषज्ञता भी साबित की। झारखंड में मधु कोड़ा सरकार के दौरान वे राज्य के वित्त सलाहकार भी रहे। राजनीतिक सफर की शुरुआत वल्लभ ने कांग्रेस से की थी। उनकी वाकपटुता और तर्कशक्ति ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। 2019 में उन्होंने जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली।

2023 में उन्होंने राजस्थान के उदयपुर से विधानसभा चुनाव लड़ा, पर वहां भी पराजय का सामना करना पड़ा। 2024 में कांग्रेस से वैचारिक मतभेद और सनातन विरोधी रुख के चलते उन्होंने पार्टी छोड़ दी और उसी दिन भाजपा में शामिल हो गए।

गौरव वल्लभ की लोकप्रियता उस समय बढ़ी जब एक टीवी डिबेट में उन्होंने भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा से पूछा- एक ट्रिलियन में कितने जीरो होते हैं? यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और उनकी आर्थिक समझ राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हुई।

जटिल आर्थिक विषयों को सरल भाषा में प्रस्तुत करने की उनकी विशेषता उन्हें एक प्रभावी वक्ता बनाती है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद, जिसकी अध्यक्षता प्रो. एस महेंद्र देव कर रहे हैं, देश की आर्थिक नीतियों को दिशा देने में अहम भूमिका निभाती है।

वल्लभ की नियुक्ति उनके आर्थिक और नीतिगत अनुभव की मान्यता है, साथ ही यह जमशेदपुर के लिए भी गर्व का विषय है। वल्लभ वर्तमान में डूंगरपुर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष भी हं, जो उनकी सामाजिक सक्रियता को दर्शाता है।उन्होंने पाली के बांगड़ कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। इसके बाद अजमेर की महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी से उच्च शिक्षा ग्रहण की और राजस्थान यूनिवर्सिटी से पीएचडी पूरी की। साथ ही, वह एक चार्टर्ड अकाउंटेंट भी हैं, जिसने उनकी आर्थिक विशेषज्ञता को और सशक्त आधार प्रदान किया।

रांची में पार्किंग एजेंसियों की मनमानी पर लगाम, नगर निगम ने जारी किये सख्त निर्देश

रांची, एजेंसी। रांची में अब एजेंसियों द्वारा मनमाना पार्किंग वसूलने पर रोक लगेगी। इसे लेकर नगर निगम ने सख्त निर्देश जारी किये हैं। बताया गया कि रांची नगर निगम द्वारा बंदोबस्त किये गये पार्किंग स्थलों पर मनमाना शुल्क वसूली नहीं हो पायेगी। इसके साथ ही संबंधित एजेंसी के कर्मियों को यूनीफॉर्म के साथ आइकार्ड पहनना अनिवार्य होगा।

जानकारी के अनुसार, राजधानी में आये दिन शहर के पार्किंग स्थलों पर मनमाना शुल्क वसूली और आम नागरिकों से बदसलूकी की खबरें सामने आ रही हैं। इसे देखते हुए रांची नगर निगम प्रशासक संदीप सिंह के आदेश पर पार्किंग का काम देख रही एजेंसियों के लिए सख्त निर्देश जारी किये गये हैं। इसके साथ ही कहा गया कि जो एजेंसी निर्देशों का पालन नहीं करेगी, उसका लाइसेंस रद्द किया जा सकता है।

रांची नगर निगम ने प्रमुख सड़कों के किनारे 31 अधिकृत पार्किंग स्थलों की जिम्मेदारी बंदोबस्ती के जरिये विभिन्न एजेंसियों को सौंपी है। इसके अलावा वाहन की श्रेणी और पार्किंग की

अवधि के हिसाब से शुल्क भी तय किये गये हैं। इसके बावजूद एजेंसियों के कर्मचारियों की मनमानी की शिकायतें मिल रही हैं। इस पर संज्ञान लेते हुए नगर निगम प्रशासक ने संबंधित एजेंसियों के लिए सख्त आदेश जारी किये हैं।

इस आदेश में कहा गया है कि पार्किंग स्थल पर संबंधित एजेंसी को दो दिनों में स्पष्ट सूचना पट्ट लगाना होगा। सूचना पट्ट पर पार्किंग स्थल का नाम, संवेदक का नाम और मोबाइल नंवर, पार्किंग क्षेत्र की प्रारंभ और समाप्ति सीमा अंकित होनी चाहिए। इसके अलावा इस पर वाहनों की श्रेणी के हिसाब से शुल्क और अवधि का भी उल्लेख करना है। वहीं, हर एजेंसी अपने कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से पहचान पत्र जारी करें। ड्यूटी के दौरान कर्मचारी को अपनी वर्दी और पहचान पत्र पहनना जरूरी होगा।

इस दौरान निगम ने वाहनों के पार्किंग शुल्क भी निर्धारित कर दिया है। इसमें दो पहिया वाहन को तीन घंटे के लिए 10 रुपये और चार पहिया वाहन को तीन घंटे पार्किंग के लिए 30 रुपये प्रति तीन घंटे देने होंगे। जबकि 10 मिनट के लिए पड़ाव निःशुल्क रहेगा।

गुमला में पिकअप-बाइक में टक्कर, एक की मौत

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले के रायडीह थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात एक भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना गुमला-छत्तीसगढ़ मेन रोड पर बकसपुर गांव के पास रात लगभग 10 बजे हुई। जब एक तेज रफ्तार पिकअप और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई।

हादसे में बाइक सवार 35 वर्षीय सत्यम शिवम की मौके पर ही मौत हो गई। वह नवागढ़ पतरा टोली गांव का रहने वाला था। बाइक पर उसके साथ रायडीह निवासी आजम खान भी सवार था, जो गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने उसे तुरंत सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसकी हालत नाजुक देखते हुए रांची स्थित रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया गया। टक्कर के बाद पिकअप वाहन सड़क से करीब 30 मीटर दूर घसीटता हुआ एक गड्ढे में जा गिरा। पिकअप में एक ही परिवार के चार सदस्य घायल हो गए।इनमें 48 वर्षीय मरियम कुल्लू, 25 वर्षीय अलवीना सुरीन, तीन वर्षीय बच्ची निशा सुरीन और 35 वर्षीय निमंती सुरीन शामिल हैं। ये सभी बसिया थाना क्षेत्र के निवासी हैं और छत्तीसगढ़ के घोलेंगे गांव में एक शादी समारोह से लौट रहे थे। पिकअप में कुल 20 लोग सवार थे।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में मारे गए मृतक सत्यम और घायल आजम गुमला शहर के एसएस हाई स्कूल रोड स्थित मां शाकंबरी ट्रेडर्स में कार्यरत थे। शुक्रवार की रात ड्यूटी समाप्त कर बाइक से घर लौट रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही रायडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को एंबुलेंस की सहायता से सदर अस्पताल गुमला पहुंचाया।

टुकड़ों में मिला पिस्टल बनाने का सामान, असेंबल कर पहुंचाता था हथियार

हजारीबाग, एजेंसी। पुलिस ने श्रीवास्तव गिरोह के ऐसे अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो असेंबल किया हुआ हथियार उपलब्ध कराता था. साथ ही पुलिस के हाथ एक डायरी लगी है. जिसमें हथियार सप्लाई करने का ब्योरा और पैसा लेन-देन का भी जिक्र है. गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव गिरोह तक हथियार असेंबल कर पहुंचाने वाले दो लोग पकड़े गए हैं. उनके पास से हथियार के खुले पार्ट्स व नगदी बरामद किया गया है. गिरफ्तार अपराधियों में हजारीबाग सदर थाना क्षेत्र के जैन मंदिर गली निवासी बिट्टू उर्फ मोहम्मद अशरफ खान और रामगढ़ जिले के सदर थाना अंतर्गत गोलपार निवासी मोहम्मद आरिफ खान उर्फ शेरु शामिल हैं।

उनके पास से पुलिस ने हथियार सप्लाई कारोबार को अंजाम देने में प्रयुक्त तीन मोबाइल, 9 एमएम का दो जिंदा कारतूस, पिस्टल का दो ट्रिगर, 4 मैगजीन, दो पिस्टल की बॉडी, पिस्टल में लगने वाला जेड आकार का पुर्जा 2 पीस, पिस्टल बनाने में उपयोग होने वाला एक चपटा लोहा, अर्धबेलनाकार लोहा, टीना काटकर बनाया गया पिस्टल का फ्रेम बरामद किया गया है. इसके

अलावा तीन बैरल की स्प्रिंग, 3 मैगजीन का स्प्रिंग, अलग-अलग लंबाई का 5 स्प्रिंग, पिस्टल निर्माण में लोहा काटने में प्रयुक्त ब्लेड, एक चाकू, दो पीस बैरल, स्लाइडर दो पीस, लेखा जोखा से जुड़े डायरी एक और विभिन्न बैंकों में जमा किए गए रुपए की प्राप्ति रसीद और 140000 नगद बरामद हुए हैं. जानकारी एसपी अंजनी अंजन ने दी।

एसपी ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली कि कुछ लोगों के द्वारा हथियार खरीद बिक्री को लेकर योजना बनाई जा रही है. उन्होंने सदर एसडीपीओ अमित आनंद के नेतृत्व में टीम का गठन किया. जिसमें बड़ा बाजार ओपी प्रभारी बिट्टू रजक, सब इंस्पेक्टर सुधीर कुमार, जिले की क्यूआरटी को शामिल किया गया।

टीम ने शहर के चिश्तिया मोहल्ला में छापेमारी की, जहां पुलिस को देखकर तीन-चार लड़के भागने लगे. जिसमें बिट्टू उर्फ मोहम्मद अशरफ खान को खदेड़ कर गिरफ्तार कर लिया गया जो जैन मंदिर गली का रहने वाला है. उसके पास से जिंदा कारतूस बरामद हुआ. पूछताछ में उसने कई खुलासा किया. उसकी निशानदेही पर शहर के बिजली ऑफिस के बगल में झाड़ी में छापेमारी की गई, जहां छुपा कर रखा गया एक सफेद थैला मिला. उस थैली में उक्त हथियार के पार्ट्स बरामद हुए. उसने स्वीकार किया कि उसके द्वारा अवैध हथियार और गोली का निर्माण कर अमन श्रीवास्तव गिरोह के मोहम्मद आरिफ खान उर्फ शेरू को पहुंचाया जाता था. जो रामगढ़ का रहने वाला है।

पुलिस ने जब रामगढ़ में आरिफ खान उर्फ शेरू के घर में छापेमारी की तो उसके पास से एक डायरी और 140000 नगद बरामद किया गया. डायरी में श्रीवास्तव गिरोह के मुकेश सिंह द्वारा मोहम्मद आरिफ उर्फ शेरू को हथियार खरीदने के लिए दिए गए रुपए एवं श्रीवास्तव गिरोह के मेंबर को भेजे गए रुपए का लेखा-जोखा और अकाउंट नंबर पाया गया।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को कुचला, मौत

धनबाद, एजेंसी। धनबाद में बीती देर रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार अधेड़ की मौत हो गई। इस घटना के बाद मृतक के आक्रोशित परिजन और स्थानीय लोगों ने बलियापुर से गोविंदपुर जाने वाली मुख्य सड़क को जाम कर दिया। इससे वाहनों की लंबी कतार लग गई। घटना बलियापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत काहलडीह मोड़ पर हुई।

रिश्तेदार से मिल घर लौटते वक्त हुआ हादसा

हादसे में बाइक पर बैठा एक और शख्स गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मृतक की पहचान निपेनिया कुलुडीह निवासी असील महतो (55) के रूप में हुई है, जो पेशे से सेंटिंग मिस्त्री थे। वे देर रात अपने रिलेटिव से मिल लौट रहे थे, तभी यह दर्दनाक हादसा हुआ। हादसे में उनके साथ मौजूद एक अन्य व्यक्ति भी गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर, हादसे के बाद ट्रक को मौके पर छोड़ ड्राइवर भाग निकला। आक्रोशित लोगों ने ट्रक का शीशा तोड़ डाला।

मुआवजे की मांग पर सड़क किया जाम : घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए और सड़क को पूरी तरह जाम कर दिया। आक्रोशित लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

यातायात पूरी तरह बाधित हो गया : सूचना मिलते ही बलियापुर थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बलियापुर अंचल अधिकारी और सिंदरी विधायक बबलू महतो भी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को शांत करने का प्रयास किया। चार घंटे तक सड़क जाम रहा, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। वहीं, सिंदरी विधायक बबलू महतो ने कहा कि इस सड़क पर अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं, जो चिंता का विषय है। उन्होंने अंचल अधिकारी से बातचीत कर पीड़ित परिवार को शीघ्र उचित मुआवजा दिलाने की बात कही। विधायक के हस्तक्षेप से भी ग्रामीणों को भरोसा मिला और जाम को समाप्त किया गया।

सुभाषितम्

कोई भी उस व्यक्ति से प्रेम नहीं करता, जिससे वो डरता है।

- अरस्तु

विश्व युद्ध की आशंका से सहमी दुनिया

इसराइल ने ईरान पर बड़ा हमला किया है, जिसमें करीब 78 ईरानी नागरिक मारे गए जबकि 350 से अधिक लोग घायल हो गए। ईरान के संभावित परमाणु ठिकानों पर इसराइल के हमले के बाद सारी दुनिया सहम गई है। दुनिया भर के शेयर बाजारों में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली है। कच्चे तेल के दाम में भारी तेजी देखने को मिली, सोने और चांदी का कारोबार भी तेजी के साथ हुआ। दुनिया भर के बाजारों में हड़कंप मच गया। सबसे ज्यादा तेजी क्रूड ऑयल के दामों में देखने को मिली। इसके साथ ही ईरान के साथ युद्ध शुरू होने की दशा में दुनिया के देशों में 40 फीसदी से ज्यादा जो कच्चे तेल की आपूर्ति होती है, इसके अलावा आयातर निर्यात के लिए जिन मार्गों का उपयोग होता है, निश्चित रूप से उसमें व्यवधान उत्पन्न होगा। इसका असर दुनिया के देशों में पड़ना तय माना जा रहा है। इस कारण वैश्विक स्तर पर अफरा- तफरी का माहौल बन गया है। इसराइल के द्वारा किए गए हमले के जवाब में ईरान ने 150 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिसमें इसराइल के 2 लोगों की मौत जबकि 90 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। इसी के साथ ईरान ने अपने यहां लाल झंडा फहरा दिया है, जो युद्ध का संकेत है। वैश्विक स्तर पर जो नई स्थितियां देखने को मिल रही हैं, उसके अनुसार अमेरिका का खुला समर्थन इजरायल के साथ है। खाड़ी के कई देश अमेरिका के साथ खड़े हुए हैं। ऐसी स्थिति में ईरान के समर्थन में चीन-रूस और उत्तर कोरिया आगे आते हुए दिख रहे हैं। वैश्विक स्तर पर जो नया समीकरण बन रहा है, उसमें अमेरिका के सामने रूस और चीन डटकर खड़े हो गए हैं। उनका समर्थन ईरान के साथ देखने को मिल रहा है। इस स्थिति में यदि युद्ध होता है तो यह युद्ध बहुत विनाशकारी होगा। इसे अभी से तीसरे विश्व युद्ध की आशंका के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका की यह चेतावनी कि ईरान न्यूक्लियर डील अमेरिका के साथ करे या तबाही के लिए तैयार हो जाए। एक तरह से अमेरिका ने ही इसराइल को हमले के लिए शह दी है। 75 साल बाद परमाणु ठिकानों पर हमला किया गया है। इसके बाद सारी दुनिया के देश दो हिस्सों में बंटने के लिए मजबूर हो जाएंगे। इसराइल और ईरान के बीच में युद्ध शुरू होने पर अमेरिका के नेतृत्व में दुनिया के कई देश एकजुट होंगे, वहीं चीन और रूस के नेतृत्व में ईरान के समर्थन में कई देश सामने आएंगे। ऐसी स्थिति में तृतीय विश्व युद्ध की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है, जो बड़े विनाशकारी परिणाम सामने ला सकता है। इसराइल ने परमाणु स्थलों पर हमला करके अब ईरान, चीन और रूस जैसे देशों को जवाबी हमले के लिए मौका दे दिया है। युद्ध बढ़ने की दशा में चीन और रूस भी ईरान के समर्थन में परमाणु हथियारों का उपयोग कर सकेंगे। अब इसे रोक पाना संभव नहीं होगा। इसराइल और अमेरिका ने जो गलती की है उसको लेकर भारी तबाही की संभावना दिखने लगी है। ईरान ने जिस तरह से जवाबी हमले शुरू किए हैं उससे इतना स्पष्ट हो गया है कि वह अमेरिका से दबने वाला नहीं है। ईरान की मदद के लिए जिस तरह से चीन और रूस ने मदद की पेशकश की है उसके कारण तृतीय विश्व युद्ध की आशंका सभी के मन में उत्पन्न होने लगी है। अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से तुगलगी फैसला ले रहे हैं, वह सारी दुनिया के देशों को धमकाने में लगे हुए हैं। इसराइल और गाजा के बीच में चल रहे युद्ध को रोकने के लिए वैश्विक संस्थाओं द्वारा जो प्रयास किए गए वह सारे विफल साबित हुए। इसराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु वैश्विक संस्थाओं की किसी बात को नहीं मान रहे। गाजा में जिस तरह से इसराइल ने नरसंहार किया है, उसकी सारी दुनिया में निंदा हो रही है। यह भी कहा जा रहा है, कि इसराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु इन दिनों अपनी सत्ता को बचाए रखना चाहते हैं, जिसके कारण उन्होंने जानबूझकर ईरान के ऊपर हमला किया है। इसराइल में आपातकाल की घोषणा की गई है ताकि वह अपनी कुर्सी को बचाए रख सकें। बहरहाल जिस तरह की स्थिति बनने लगी है उसको देखते हुए वैश्विक मंदी, महंगाई, बेरोजगारी और युद्ध के कारण खाने-पीने और दैनिक उपयोग में आने वाले सामानों को लेकर भी दुनिया के देशों में चिंता देखने को मिलने लगी है। आगे क्या होगा यह कुछ कहा नहीं जा सकता है, लेकिन एक अभाव जो स्पष्ट रूप से दिख रहा है, संयुक्त राष्ट्र संघ, सुरक्षा परिषद, रेड-क्रॉस जैसी संस्थाएं वह भूमिका अदा नहीं कर पा रही हैं जो कुछ दशक पहले तक करती थीं।

चिंतन-मनन

ब्रह्म मुहूर्त में क्यों जागें

साढ़े तीन बजे का महत्व सिर्फ 33 डिग्री अक्षांश तक के लिए ही होता है। 3.40 पर सूर्य उस जगह पहुंच जाता है, जहां उसका सीधा संबंध पृथ्वी से हो जाता है। इस समय उसकी किरणें ठीक आपके सिर के ऊपर होती हैं। जब सूर्य की किरणें धरती के दोनों तरफ एक ही जगह पड़ती हैं, तो इंसान का सिस्टम एक खास तरीके से काम करने लगता है और तब एक संभावना बनती है। इस संभावना के इस्तेमाल करने को लेकर लोगों में जागरूकता रही है। अगर आपके सिस्टम में एक जीवंत बीज पड़ चुका है और अगर आप ब्रह्म मुहूर्त में जागकर कोई भी अभ्यास करने बैठते हैं तो यह बीज आपको सबसे ज्यादा फल देगा। वैसे तो सूर्य हमेशा आपके सिर के ऊपर ही होता है, लेकिन जब मैं कहता हूं कि सूर्य ठीक आपके सिर पर है तो इसका मतलब है उस समय वह आपके सिर पर लंबवत है। उस समय यह एक विशेष तरीके से काम करता है। यह समय होता है 3.4 से लेकर अगले 12 से 20 मिनट तक। अब सवाल आता है कि इस समय में हम क्या करें ? इस समय में हम ध्यान करें या क्रिया करें ? इससे कोई फर्प नहीं पड़ता कि आप क्या करें। इस समय में आपको वही करना चाहिए, जिसमें आपको दीक्षित किया गया है। दरअसल, दीक्षा का मतलब यह नहीं है कि आपको कोई क्रिया सिखाई गई है, इसका मतलब है कि इस क्रिया से आपके सिस्टम को परिचित करा कर आपके सिस्टम में इसे बाकायदा स्थापित किया गया है।

अनकहा और अपरिभाषित होता है पिता का प्रेम

- विनोद कुमार विक्की

जून माह का तीसरा रविवार पिता के सम्मान प्रेम और योगदान को समर्पित किया गया है। इस वर्ष यह दिवस 15 जून को मनाया जा रहा है। मातृत्व की महत्ता से अभिभूत तथा मदर्स डे के उपदेशों से प्रेरित होने वाली सोनोरा स्मार्ट डोड ने अपने पिता के सम्मान में 19 जून 1910 को वाशिंगटन के स्पोकेन में पहली बार फादर्स डे मनाने की परंपरा का आगाज किया। पितृत्व त्याग और प्रेम को समर्पित इस दिवस को माता के सम्मान में मनाये जाने वाले मदर्स डे का पूरक माना जाता है। स्मार्ट डोड के पिता विलियम जैक्सन स्मार्ट, अमेरिकी गृह युद्ध के एक जांबाज योद्धा थे। पहली पत्नी एलिजाबेथ और दूसरी पत्नी एलेन विक्टोरिया चीक की मृत्यु के उपरांत विलियम ने अकेले पिता के रूप में कठिन परिस्थितियों के बावजूद नवजात शिशु सहित अपने छः बच्चों के परवरिश की गहन जिम्मेदारी का निर्वाह किया। अपनी संतान के प्रति उनका अटूट प्रेम, संघर्ष और त्याग ही फादर्स डे के पीछे की प्रेरणा बन गया।

इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं कि लौकिक ईश्वर का दर्जा प्राप्त माता-पिता के त्याग, समर्पण और प्रेम को शब्दों एवं समय की परिधि से बांधा नहीं जा सकता। इनके योगदान के प्रति भावनात्मक अभिव्यक्ति के लिए संभवतः संपूर्ण जीवन भी कम पड़ जाए। भाग-दौड़ भरी व्यस्तता और परिवार के मुखिया के लिए अव्यक्त अभिव्यक्ति के बीच जून का तीसरा रविवार यह मौका देता है कि फादर्स डे के बहाने पिता के योगदान और भूमिका का अहसास कर अपने पिता के प्रति प्रेम, सम्मान और आभार को खुल कर व्यक्त कर सकें। फादर्स डे पिता के महत्व को पहचानने और उनके योगदान को सराहने का अवसर देता है। यह विशेष दिवस पारिवारिक बंधन को मजबूत करने में पिता की भूमिका का मार्मिक अहसास कराने के साथ ही पिता और बच्चों के बीच के रिश्ते को और भी प्रगाढ़ करने में मदद करता है। परिवार एवं समाज में पिता की भूमिका और उनके महत्व को बढ़ावा देने के साथ ही उनके योगदान को सराहने का अवसर भी प्रदान करता है।

जून के तीसरे रविवार को फादर्स-डे के रूप में मनाये जाने हेतु अमेरिकी राष्ट्रपति लिंडन बी जॉनसन ने वर्ष 1966 में इसे आधिकारिक मान्यता प्रदान की थी। वर्ष 1972 में राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने फादर्स डे को एक स्थायी राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया। हालांकि सोनोरा स्मार्ट डोड द्वारा प्रारंभ फादर्स-डे मनाये जाने को 1924 में राष्ट्रपति कैल्विन कूलिज ने समर्थन देने की घोषणा की थी, किंतु आधिकारिक तौर पर इसे वर्ष 1966 में ही मान्यता मिल पायी।

पिता के प्रेम को परिभाषित कर पाना काफी मुश्किल है, क्योंकि यह प्रेम अनकहा और अक्सर अल्प व्यक्त होता है, लेकिन इसका प्रभाव बच्चों के जीवन पर गहरा होता है। पिता का प्रेम एक माँ के प्रेम से अलग होता है। यह प्रेम एक मार्गदर्शक प्रकाश है, जो हर बच्चे के लिए प्रेरणा और शक्ति का स्रोत है। परिवार में पिता की भूमिका संरक्षक एवं मार्गदर्शक का होता है। परिवार के लिए आदर्श स्थापित करने वाले पिता से उनकी संतान ज्ञान, शक्ति और साहस प्राप्त करते हैं। मुश्किल समय में सहारा और भावनात्मक शक्ति पिता से प्राप्त होती है। अनुशासन मिश्रित पिता का प्रेम बच्चों को सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है। पिता अपने बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत होता है। वो हमेशा अपनी मेहनत और समर्पण से उन्हें प्रेरित करते हैं।

पिता अपनी संतान को ना केवल दैहिक और आर्थिक सुरक्षा देता है, बल्कि उन्हें सामाजिक पहचान, प्रतिष्ठा और भावनात्मक समर्थन भी प्रदान करता है। प्रेरणा और मार्गदर्शन तथा जीवन के मूल्यों से परिचय कराते हुए बच्चों में साहस, ज्ञान और आत्मविश्वास उत्पन्न करता है। हालांकि यह एक कड़वा सच है कि अक्सर पिता परिवार की आर्थिक जरूरतों एवं संतान की जरूरत को पूरा करने के लिए परिवार एवं बच्चों को ज्यादा समय नहीं दे पाता है। जिस कारण माता की अपेक्षा पिता का प्रेम प्रायः अव्यक्त और अपरिभाषित ही रह जाता है।

माँ है ममता की फर्श, पिता छत और दीवार होता है
माँ से होता है घर जनाब, तो पिता से संसार होता है।

सरल शब्दों में कहा जाय तो सामाजिक दायित्व और पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा सामान्य ऊर्जा और साधारण व्यक्तित्व वाला पिता अपने बच्चों के लिए उसके जीवन का आदर्श और उसका सुपर हीरो होता है।

शांत और परोपकारी स्वभाव सुखी जीवन का मूल मंत्र

- किशन सनमुखदास भावनानी

भारतीय संस्कृति, सभ्यता के बारे में हमने साहित्य और इतिहास के माध्यम से और भारत माता की गोद में रहकर पारिवारिक संस्कृति, मान सम्मान, रीति- रिवाजों से इसे प्रत्यक्ष महसूस भी कर रहे हैं। परंतु हमारे बड़े बुजुर्गों के माध्यम से हमने कई बार सतयुग का नाम सुने हैं, जिसका वर्णन वे स्वर्गलोक के तुल्य करते हैं। याने इतनी सुखशांति, अपराध मुक्ति, इमानदारी, शांति सरोवर तुल्य,कोई चालाकी चतुराई गलतफहमी या कुटिलता या भ्रष्टाचार नहीं, बस एक ऐसा युग कि कोई अगर कुछ दिन, माह के लिए बाहर गांव जाए तो अपने घरों को ताला तक लगाने की जरूरत नहीं !अब कल्पना कीजिए कि अपराध बोध मुक्त युग !मेरा मानना है कि हमारी पूर्व की पीढ़ियों ने ऐसा युग जिए होंगे तब यह बोध आगे की पीढ़ियों में आया,जिसे सतयुग के नाम से जरूर जाना जाता है। साथियों बात अगर हम वर्तमान युग पर बड़े बुजुर्गों में चर्चा की करें तो इस इसे कलयुग नाम देते हैं, याने सभी प्रकार के अपराध बोध से युक्त संसार। हर तरह की बेईमानी, भ्रष्टाचार कुटिलता से भरा हुआ युग !आज भी बुजुर्गों का मानना है कि वह सतयुग फिर आएगा,याने आज की तकनीकी भाषा में अपराध मुक्त, भ्रष्टाचार बेईमानी कुटिलता मुक्त पारदर्शिता और अनेकता में एकता वाले भारत की परिकल्पना का युग।

साथियों बात अगर हम अपराध, भ्रष्टाचार, बेईमानी, कुटिलता से भरे जग की करें तो मेरा मानना है कि इसका मुख्य प्रवेश द्वार क्रोध, उत्तेजित स्वभाव व लालच है जिसमें आपराधिक बोध प्रवृत्ति का जन्म होता है और व्यक्ति क्रोध में हिंसा, अपराध, लालच, भ्रष्टाचार, बेईमानी और कुटिलता के अमानवीय कृति और अन्य गलत कार्यों की ओर मुड़ जाता है और आगे बढ़ते ही चले जाता है जब जीवन के असली महत्व का पता चलता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। क्रोध की अभिव्यक्ति हमारे अंदर की कुंठा, हिंसा व द्वेष के कारण भी हो सकती है। वर्तमान काल में अपराधों के बढ़ने का एक प्रमुख कारण भीषण क्रोध ही है। क्रोध से उत्पन्न हुए अपराधों के औचित्य को सिद्ध करने के लिए क्रोधी व्यक्ति कुतर्क कर दूसरे को ही दोषी सिद्ध करता है। एक दोष को दूर करने के लिए अनेक कुतर्क पेश करता है। क्रोध में व्यक्ति आपा खो देता है। क्रोध में अंततः बुद्धि निस्तेज हो जाती है और विवेक नष्ट हो जाता है। क्रोध का विकराल रूप जुनून है। आदमी पर जुनून सवार होने पर वह जघन्य से जघन्य अपराध कर बैठता है। जुनून की हालत में उसे मानवीय गुणों का न बोध रह पाता है और न ही ज्ञान। क्रोध मानव का सबसे बड़ा शत्रु है, बहुत बड़ा अभिशाप है।

साथियों बात अगर हम शांत, परोपकारी स्वभाव ही जीवन का मूल मंत्र की करें तो अभिभावकों, शिक्षकों को बच्चों को यह शिक्षा देना है और हम बड़ों को यह स्वतः संज्ञान लेना है कि माचिस की तीली बनने की बजाय शांत सरोवर बनना होगा, जिसमें कोई अंगारा भी फेंके तो स्वयं ही बुझ जाए, बस ! यह भाव अगर हम मनीषियों के हृदय में समाहित हो जाए तो यह विश्व फिर सतयुग का रूप धारण करेगा जहां किसी तरह का कोई अपराध बोध या गलत काम का भाव नहीं होगा। सभी मनीषी जीव परोपकारी भाव से युक्त होंगे भाईचारा, प्रेम, सद्भाव की बारिश होगी जहां बिना ताले घरबार छोड़ कहीं भी जाने के भाव जागृत होंगे और हमारे बुजुर्गों का सतयुग रूपी सपना साकार होगा।

साथियों बात अगर हम स्वयं को माचिस की तीली याने क्रोधित होने पर विपरीत परिणामों की करें तो, क्रोध मनुष्य को बर्बाद कर देता है और उसे अच्छे बुरे का पता नही चलने देता, जिस कारण मनुष्य का इससे नुक्सान होता है। क्रोध मनुष्य का प्रथम शत्रु होता है। क्रोधी व्यक्ति आवेश में दूसरे का इतना बुरा नहीं जितना स्वयं का करता है। क्रोध व्यक्ति की बुद्धि को समाप्त करके मन को काला बना देता है।

साथियों बात अगर हम क्रोध को नियंत्रित कर समाप्त करने की तकनीकी की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अनुसार क्रोध के नकारात्मक प्रभाव पूरे इतिहास में देखे गए हैं। प्राचीन दार्शनिकों, धर्मपरायण व्यक्तियों और आधुनिक मनोवैज्ञानिकों द्वारा प्रतीत होने वाले अनियंत्रित क्रोध का मुकाबला करने की सलाह दी गई है। आधुनिक समय में, क्रोध को नियंत्रित करने की अवधारणा को मनोवैज्ञानिकों के शोध के आधार पर क्रोध प्रबंधन कार्यक्रमों में अनुवादित किया गया है।क्रोध प्रबंधन क्रोध की रोकथाम और नियंत्रण के लिए एक मनो-चिकित्सीय कार्यक्रम है । इसे क्रोध को सफलतापूर्वक तैनात करने के रूप में वर्णित किया गया है। क्रोध अक्सर हताशा का परिणाम होता है,या किसी ऐसी चीज से अवरुद्ध या विफल होने का अनुभव होता है जिसे विषय महत्वपूर्ण लगता है। अपनी भावनाओं को समझना क्रोध से निपटने का तरीका सीखने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है। जिन बच्चों ने अपनी नकारात्मक भावनाओं को क्रोध डायरी में लिखा था, उन्होंने वास्तव में अपनी भावनात्मक समझ में सुधार किया, जिससे बदले में कम आक्रामकता हुई। जब अपनी भावनाओं से निपटने की बात आती है, तो बच्चे ऐसे उदाहरणों के प्रत्यक्ष उदाहरण देखकर सबसे अच्छा सीखने की क्षमता दिखाते हैं, जिनके कारण कुछ निश्चित स्तर पर गुस्सा आया। उनके क्रोधित होने के कारणों को देखकर, वे भविष्य में उन कार्यों से बचने की कोशिश कर सकते हैं या उस भावना के लिए तैयार हो सकते हैं जो वे अनुभव करते हैं यदि वे खुद को कुछ ऐसा करते हुए पाते हैं जिसके परिणामस्वरूप आमतौर पर उन्हें गुस्सा आता है, इसके साथ ही एकांत में जाकर ध्यान के माध्यम से क्रोध के विकारों को नष्ट करने का प्रयास करें तो ऋणात्मक ऊर्जा को मोड़कर हम सकारात्मक ऊर्जा से विवेक सम्मत निर्णय लेने में सक्षम हो सकते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि शांत, परोपकारी स्वभाव सुखी जीवन का मूल मंत्र है !स्वयं को माचिस की तीली बनने की बजाए शांति सरोवर बनाएं, जिसमें कोई अंगारा भी फेंके तो स्वयं ही बुझ जाए।

पिता की अनुपम छाया

-डॉ. रीना रवि मालपानी

माँ की ममता और पिता की कठोरता जीवन के दो महत्वपूर्ण नियामक है। प्रारम्भ में हमें पिता के वक्तव्य बड़े साधारण प्रतीत होते है, परन्तु समयोपरांत उन वक्तव्यों में छिपी गहराई की थाह ज्ञात होती है। माता की छत्रछाया और गर्भ में बालक सुरक्षित होता है, परन्तु जो अदृश्य सुरक्षा कवच उसके दिन-रात की सुरक्षित रुपरेखा निर्धारित करता है वह है पिता। माँ की चिंताएँ दृश्यरूप में प्रतिपल अनुभव होती है, परन्तु पिता के मन की कशमकश को पिता स्वयं ही समझ सकता है। जिस प्रकार सागर की गहराई और लहरों की तीव्रता की थाह पाना मुश्किल है, उसी प्रकार पिता के मर्म को समझना भी बहुत मुश्किल है। माता के संरक्षण एवं छाँव के पीछे पिता का सुरक्षा कवच ही महत्वपूर्ण होता है। पिता की कठोरता तो नारियल के समतुल्य ही है, अंदर कोमल स्वभाव और बालक के उज्जवल भविष्य के लिए बाहर कटुता के वचन। वह पिता ही तो है जो बचपन से ही बालक को गोदी में उठाकर और कंधे पर बैठाकर ऊंचाइयों की ओर अग्रसर होना सिखाता है। वह अपने शीर्ष पर बैठाकर उसे सफलता और उन्नत आकाश की दिशा प्रदान करता है। जिद के लिए डाँटना और जिद को पूरी करना यह निश्छल स्वाभाव तो पिता का ही हो सकता है। छोटी-छोटी खुशियों को सँजोने में पिता का दिन-रात का चक्र कब व्यतीत होता है कुछ ज्ञात नहीं होता। आर्थिक सामंजस्य, घर-परिवार का भरण-पोषण, मान-प्रतिष्ठा और छोटी से छोटी जरुरत का ध्यान इतनी सहजता एवं सरलता से पिता ही कर सकता है। वह अपने मन के अंदर की उथल-पुथल परिवारजन को महसूस नहीं होने देता। पिता के कारण ही तो माँ को हिम्मत प्राप्त होती है बालक को अपर स्नेह प्रदान करने की। बालक हौसलों की उड़ान तो पिता के कंधों पर ही तय करता है।

दो अक्षर से बना है पिता शब्द,
पर उसका होना बढ़ाता जीवन में सफलता का कद।
पिता का कर्त्तव्य निभाना नहीं है आसान,
प्रतिपल बाहरी और भीतरी परिस्थितियों से करना होता है घमासान।

हमारे ज्योतिष में सूर्य को पिता का कारक ग्रह कहा गया है क्योंकि जहाँ सूर्य विद्यमान होता है वह स्थान प्रकाश से देदीप्यमान हो जाता है और जब अस्त होता है तो अंधकार व्याप्त हो जाता है। परिवार में भी पिता उजाले का प्रसार करता है, इस उजाले में साहस, अनुभव, ज्ञान एवं कठोर समझाइश निहित होती है जो जीवन के अंधकार का विनाश कर देता है और हमें अपने पिता से ओज, तेज और साहस प्राप्त होता है।सफलता का चरम हमें प्राप्त होता है, पर त्याग एवं परिश्रम की सीढ़ी सदैव वे चढ़ते है। समय व्यतीत होने पर ज्ञात होता है कि स्वयं की कमाई पर जिद करने का आनंद कुछ नहीं होता। पिता के सम्मुख वो जिद और उसके पूर्ण होने का आनंद अत्यंत न्यारा होता है। पिता का व्यक्तित्व शब्दों से परे है। वह भूमिका अन्यंत्र कोई रिश्ता नहीं निभा सकता। पिता की सच्चाई, गहराई और जीवन के प्रति उनकी गूढ़ समझ अकथनीय है। पिता की सीख सदैव एक कड़वी सच्चाई प्रतीत होती है। जीवन की महकी सी बगियाँ में पिता के पसीने की बूँद निहित होती है। पिता के सरल वाक्य जीवन की नींव के निर्धारक होते है।

आज का राशिफल

राशि	राशिफल	राशि	राशिफल
मेष	आर्थिक दृष्टिकोण से अत्यंत लाभकारी रहेगा। आपको किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिल सकती है।	तुला	दिन आपके लिए लाभप्रद सिद्ध होगा। करियर में किसी पुराने विवाद का समाधान हो सकता है।
वृषभ	रणनीतियों पर काम करने का है। धर्मस्थल की यात्रा से मानसिक शांति मिलेगी विचारों में स्पष्टता आएगी।	वृश्चिक	आज दिन आर्थिक रूप से मजबूत स्थिति बन रही है। व्यापार में नए अवसर प्राप्त होंगे।
मिथुन	आज दिन आपकी रचनात्मकता और सृजनात्मक सोच को उजागर करने का है।	धनु	दिन जोखिम उठाने की हिम्मत लेकर आ रहा है, विशेषकर आर्थिक और व्यवसायिक मामलों में।
कर्क	आज आपकी मेहनत का फल तुरंत मिल सकता है और पुराने अधूरे कार्य पूरे होने की संभावना है।	मकर	आज दिन आपके लिए कार्यक्षेत्र में व्यस्तताओं से भरा रहेगा लेकिन लाभ भी होगा।
सिंह	आध्यात्मिक चिंतन या अध्ययन के लिए समय निकालना आपके लिए लाभकारी रहेगा।	कुंभ	स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना चाहिए, विशेष रूप से मौसम के कारण कुछ परेशानियां हो सकती हैं।
कन्या	विशेष रूप से बातों और व्यवहार में। कार्यस्थल पर किसी सहकर्मी से टकराव की संभावना हो सकती है।	मीन	आज दिन लाभदायक है और विशेष रूप से व्यापार में जोखिम उठाने के लिए उपयुक्त है।

विशेष

संवैधानिक संस्थाएँ सरकार भरोसे

भारत में इन दोनों संवैधानिक संस्थाओं की साख को लेकर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। न्यायपालिका भी सवालों के घेरे में है। न्यायपालिका की निष्पक्षता को लेकर चारों तरफ से हमले हो रहे हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग हो, केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय,सीबीआई, लोकपाल सभी सवालों के घेरे पर है। सभी सरकार के इशारे और दबाव पर काम कर रहे हैं। पिछले एक दशक में भारत की संवैधानिक संस्थाएं जिस तरह से सरकार पर आश्रित हैं। सरकार चुन चुन कर अपने पसंदीदा व्यक्तियों की नियुक्ति कर रही है। न्यायपालिका में हाईकोर्ट के जज और सुप्रीम कोर्ट की जजों की नियुक्ति में भी सरकार ने जो पक्षपात किया है। एक ही विचारधारा से जुड़े हुए लोगों की नियुक्ति की गई है। इसका असर अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर भी पड़ा है। हर संवैधानिक संस्था सवालों के घेरे पर है। अब तो यह भी कहा जाने लगा है, हर साख में उल्लू बैठा है, अंजामे गुलदस्ता क्या होगा।

शराब घोटोले में कांग्रेस का दफ्तर अटैच

छत्तीसगढ़ के शराब घोटाले में ईड़ी ने सुकमा के कांग्रेस कार्यालय का भवन अटैच कर लिया है। ईड़ी के अधिकारियों का कहना है, शराब घोटाले के आरोपी मंत्री लखमा ने 68 लाख रुपए सुकमा के कांग्रेस भवन निर्माण के लिए दान किए थे। ईड़ी के अधिकारियों ने पूर्व मंत्री हरीश लखमा की 6 करोड़ 15 लाख की संपत्ति अटैच की है। इसके साथ ही कांग्रेस का दफ्तर भी अटैच कर लिया है। इस कार्रवाई के बाद अब लोग कहने लगे हैं। ईडी यदि इसी तरीके की कार्रवाई करती है, तो लखमा ने सैकड़ो जगह पैसे खर्च किए हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1659 औरंगजेब की ताजपोशी हुई. 1672 एम्सटर्डम की फ्रांसीसी हमले से बचाने के लिए बांधों के दरवाजे खोल दिए गये. 1744 ब्रिटिश एडमिरल जार्ज ऐसन ने दुनिया की यात्रा पूरी की. 1752 फिलाडेल्फिया में बंजामिन फ्रैंकलिन ने आकाशीय बिजली और बिजली के बीच संबंधों की प्रदर्शन किया. 1904 न्यूयार्क के पास समुद्र में जहाज में आग लगने से एक हजार से अधिक लोगों की मौत हो गयी. 1908 कलकत्ता शेयर बाजार की स्थापना हुई. 1923 बुल्गारिया के नेता अलेक्जेंडर स्टैम्बोलिस्की की हत्या हुई. 1940 जर्मनी ने द्वितीय विश्व युद्धमें फ्रांस में मैगिनाट लाइन तोड़ दी. 1944 अमरीकी फौजों ने प्रशांत महासागर स्थित सेपान द्वीप पर हमला किया. 1970 तुर्की में दंगे भड़कने के बाद मार्शल ला लागू किया गया.

दैनिक पंचांग

15 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.18 बजे से
चंद्र	मकर में	कर्क	07.32 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	09.48 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.00 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	14.10 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.25 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.41 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.46 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.33 बजे से
राहुकाल		मीन	00.06 बजे से
4.30 से 6.00		मेष	01.36 बजे से
बजे तक		वृष	03.16 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 166 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 15.52 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 01.00 बजे रात्र को समाप्त। **योग** इन्द्र 12.19 बजे को समाप्त। **करण** बालव 15.52 बजे तदनन्तर कौलव 03.45 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 19' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872376 **जूलियन दिन** 2460841.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 18 **विशेष** मिथुन संक्रांति, पितृ दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

डिस्टेंस मोड में करें ये शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्स

कई लोग पैसे के कारण दूसरे शहर में जाकर पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। हालांकि अगर आपको पढ़ने की चाह है तो आपको कोई रोक नहीं सकता। जी हां, अगर आप अपनी शिक्षा को बेहतर बनाना चाहते हैं और कम फीस में स्किल्स सीखना चाहते हैं, तो जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी के डिस्टेंस मोड के शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्स आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। इसे आप आसानी से कर सकते हैं।

डिस्टेंस मोड में शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्सेज

जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में केवल रेगुलर डिग्री कोर्सेज ही नहीं बल्कि डिस्टेंस मोड में शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्स करने का भी मौका दे रहा है। ये कोर्स करने के बाद आप आसानी से काफी कुछ सीख सकते हैं। इन कोर्स की फीस भी बहुत कम होती है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को काफी ज्यादा मदद मिल जाती है।

- डिस्टेंस मोड में करें ये शॉर्ट टर्म स्किल बेस्ड कोर्स
- बैचलर ऑफ आर्ट्स
- बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
- बैचलर ऑफ कॉमर्स
- मास्टर ऑफ आर्ट्स इन एजुकेशन
- मास्टर ऑफ आर्ट्स इंग्लिश
- मास्टर ऑफ आर्ट्स हुमन रिसोर्स मैनेजमेंट
- मास्टर ऑफ आर्ट्स हिस्ट्री
- मास्टर ऑफ आर्ट्स हिंदी
- मास्टर ऑफ आर्ट्स ज्योग्राफी
- मास्टर ऑफ आर्ट्स पॉलिटिकल साइंस
- मास्टर ऑफ आर्ट्स उर्दू
- मास्टर ऑफ आर्ट्स सोशियोलॉजी
- मास्टर ऑफ कॉमर्स

बीमा सखी महिला एजेंट योजना के लिए क्या हैं जरूरी दस्तावेज और योग्यता?

कैसे बना सकते हैं इसमें करियर

अगर आप बीमा सखी महिला योजना में एजेंट के लिए आवेदन करना चाहती हैं, तो बता दें कि इसके लिए महिलाओं की उम्र 18 से 70 वर्ष के बीच होनी चाहिए। साथ ही 10वीं कक्षा पास होना चाहिए।

महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाएं और स्कीम निकाली जाती है। इसी में से एक है बीमा सखी महिला योजना। बता दें, कि एलआईसी के अंतर्गत बीमा सखी योजना के तहत 18 साल से अधिक आयु की महिलाओं को सुनहरा भविष्य बनाने का मौका मिल रहा है। हालांकि इसके लिए इच्छुक महिलाओं का 10वीं पास होना जरूरी है। आवेदन करने के बाद इन्हें स्पेशल ट्रेनिंग मुहैया कराई जाएगी। साथ ही 3 साल तक एलआईसी के द्वारा एक निश्चित मानदेय भी दिया जाएगा। अगर आप भी बीमा सखी महिला योजना में एजेंट बनना चाहती हैं, तो इस लेख में आज हम आपको बताने जा रहे हैं, एजेंट बनने के लिए आवेदक के पास कौन सी योग्यता होनी चाहिए।

बीमा सखी महिला एजेंट को कितना मिलेगा वेतन भत्ता?

अगर आप बीमा सखी महिला योजना में एजेंट बनकर अपना करियर बना सकती हैं। इस योजना के लिए महिलाओं की उम्र 18 साल से 70 साल होनी चाहिए। इस पद के लिए आवेदन करने वाली युवतियों के पास 10वीं उत्तीर्ण होना जरूरी है, जिन्हें विकास अधिकारी द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके अलावा इस योजना से जुड़ी महिलाओं को हर महीने एलआईसी द्वारा 7 हजार रुपये दिए जाएंगे। बता दें कि यह वेतन भत्ता 3 साल तक दिया जाएगा। पहले वर्ष 7 हजार, दूसरे साल 6 और तीसरे वर्ष 5 हजार रुपये महीना सैलरी दी जाएगी।

काम के साथ मिलेगा कमीशन

इस योजना के तहत जुड़ने वाली महिलाओं को अपने किए गए कार्य के हिसाब से कमीशन भी मिलेगा। बीमा सखी महिला एजेंट को पहले साल में 24 लोगों का बीमा करवाना होगा। इस पर उन्हें कम से कम 40-50 हजार रुपये साल की कमीशन मिल सकता है। वहीं बात करें दूसरे साल की तो इस वर्ष पहले साल का 65 प्रतिशत पॉलिसी करने पर कमीशन दिया जाएगा। यहीं क्रम तीसरे साल भी लागू रहेगा।

जरूरी दस्तावेज

- आधार कार्ड
- पैन कार्ड
- पासपोर्ट साइज फोटो
- निवास प्रमाण जैसे- राशन कार्ड, बिजली बिल या पानी का बिल।
- शैक्षिक प्रमाणपत्र कम से कम 10वीं कक्षा तक की शिक्षा।
- बैंक खाता विवरण
- स्वास्थ्य प्रमाण पत्र

कैसे बना सकते हैं करियर?

- LIC की तरफ से बीमा सखी को प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें उन्हें बीमा उत्पादों, बिक्री रणनीतियों, ग्राहक से बात करने, और डॉक्यूमेंट की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी जाती है।
- बीमा सखी के रूप में रजिस्ट्रेशन के लिए LIC से आवेदन करना होगा।
- एजेंट बनने के बाद, आपको विभिन्न बीमा स्कीम को ग्राहकों को समझाना होगा।

विदेश में रहते हैं तो इन तरीकों से बढ़ाएं अपने कम्युनिकेशन स्किल्स

विदेश जाने वाले लोगों को सबसे ज्यादा दिक्कत होती है कम्युनिकेशन की। किसी और देश के कल्चर के हिसाब से भाषा सीखना थोड़ा पेचीदा हो सकता है।

अधिकतर भारतीयों को इंग्लिश बचपन से ही सिखाई जाती है, लेकिन अगर इसे आप यूके या फिर अमेरिका में बोलेंगे, तो भी कम्युनिकेशन गैप आएगा ही। किसी नए देश में जाकर ठीक से कम्युनिकेट करने में बहुत ज्यादा दिक्कत होती है। यह समझने में समय लगता है कि किसी अन्य देश में आप सही कम्युनिकेशन कैसे करें। अगर यूरोप, थाईलैंड जैसे किसी देश में गए हैं, तो वहां की भाषा सीखने और सही कम्युनिकेट करने में समय लगता है।

बोलने से ज्यादा सुनने की कोशिश करें

कम्युनिकेशन स्किल बेहतर बनाने के लिए आपको पहले एक अच्छा लिसनर बनना होगा। लोगों को यह अच्छा लगता है कि उन्हें सुना जाए। ऐसे में आप किसी और देश में हैं, तो लोगों के हाव-भाव को समझें और उनकी बातों को सुनने की कोशिश करें। खुद से ही उनके सवालों के जवाब ढूंढने की जगह पहले उन्हें ठीक से सवाल पूछने दें। कई बार हम एंग्जाइटी में ही बोल जाते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना है। जब भी आप किसी से फोन पर बात कर रहे हैं, तो टेक्स्ट मैसेज का जवाब देना, ईमेल करना आदि बहुत खराब होता है। ऐसे में आपके कम्युनिकेशन स्किल कभी बेहतर नहीं हो पाएंगे। विदेशों में इस तरह की चीज को असभ्य माना जाता है।

सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करें

कई बार हम अगर किसी अन्य नेशनालिटी के व्यक्ति से बात करते हैं, तो हम बहुत ही कॉन्शियस हो जाते हैं। यह कई बार अशिष्ट लगता है। कम्युनिकेशन स्किल को बेहतर बनाने का यह एक बहुत सही तरीका है कि आप अपने व्यवहार को बेहतर बनाएं।

बॉडी लैंग्वेज ऑफेंसिव ना रखें

कई बार हम किसी वेटर या फिर किसी सब्जी बेचने वाले से भारत में बहुत रूड तरह से बात करते हैं। बाहरी देशों में प्लंबर, कारपेंटर, वेजिटेबल वेंडर, वेटर और ऐसे सभी काम स्किल्ड लेबर में आते हैं। चाहे भारत हो या कहीं और आपको हर काम की इज्जत करनी चाहिए और अपने व्यवहार और बॉडी लैंग्वेज को ऑफेंसिव नहीं रखना चाहिए।

धीमे बोलें, लेकिन फैक्ट्स का ध्यान रखें

कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतर बनाने के लिए फैक्ट्स का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। आपको ध्यान से बोलना होगा और सही बोलना होगा। हम कई बार अपनी तारीफ के चक्कर में कुछ एक्स्ट्रा ही बोल जाते हैं। ऐसा नहीं करना है। ऐसा करने से आपके साथ समस्या बढ़ेगी।

पॉजिटिव बोलें और स्माइल का ध्यान रखें

अगर आपको किसी को इम्प्रेस करना है, तो स्माइल से बेहतर कुछ हो ही नहीं सकता है। ऐसे में आप हमेशा पॉजिटिव रहें और स्माइल करते रहें। गर्मजोशी से हाथ मिलाएं और फिर आगे बढ़ें। कई बार फर्स्ट इम्प्रेशन ही इससे बहुत अच्छा पड़ता है।

ज्यादा लंबे टेक्स्ट या ईमेल ना करें

हिंदुस्तान में कॉर्पोरेट ईमेल्स भी बहुत लंबे होते हैं पर यह सही तरीका नहीं है। मेल पर सिर्फ प्वाइंटर आदि होने चाहिए और बाकी चीजों के लिए कॉल या फेस टू फेस कंवर्जेशन ज्यादा बेहतर है। कई बार हम इसे अवॉइड करने की कोशिश करते हैं, लेकिन यह सही तरीका नहीं है। इससे यह दिखता है कि आप एक अच्छे स्पीकर या लिसनर नहीं हैं।

लिखने से पहले पढ़ जरूर लें

कम्युनिकेशन का एक अहम नियम है। आप कुछ भी गलत ना बोले ना ही लिखें। आप कोई मेल या टेक्स्ट कर रहे हैं, तो उसे ठीक से पढ़ लें। अगर टेक्स्ट या ईमेल में कोई गलती जाती है, तो लोगों पर आपका इम्प्रेशन सही नहीं पड़ेगा। लिखने के बाद पढ़ने की आदत आपको एम्बैरेस्मेंट से बचा सकती है।

इन स्किल्स की बदौलत स्कूल स्टूडेंट्स कर सकते हैं अपने सक्सेसफुल करियर की शुरुआत

सक्सेसफुल करियर की चाह सभी रखते हैं। अगर आप भी अपने बच्चों को सक्सेसफुल बनाना चाहती हैं, तो उनके करियर की शुरुआत करने से पहले ही उन्हें कुछ खास स्किल्स सिखाएं। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि आप उन्हें करियर की शुरुआत में क्या-क्या सिखा सकती हैं, ताकि आगे जाकर उन्हें किसी भी तरह की दिक्कत का सामना ना करना पड़े।

ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी

ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी का चलन काफी ज्यादा चल रहा है। ऐसे में आपको भी अपने बच्चों को ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के बारे में बताना चाहिए। आने वाले समय में ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल काफी बढ़ने वाला है। यह उनके फ्यूचर के लिए काफी लाभदायक साबित हो सकता है।

ट्रेडिंग

शेयर मार्केट और ट्रेडिंग के क्षेत्र में भी काफी अवसर हैं। ऐसे में आप चाहें तो अपने बच्चों को इसके बारे में भी बता सकती हैं। आजकल लोग ट्रेडिंग करके हर महीने करोड़ों रुपये कमा लेते हैं। ऐसे में आपको अपने बच्चों को शुरू से ही ट्रेडिंग की जानकारी देनी चाहिए। ऐसे में अगर आपके बच्चे को इस क्षेत्र में रुचि होगी, तो उन्हें इसका काफी फायदा होने वाला है।

डिजिटल स्किल्स

डिजिटल स्किल्सजैसी कि कोडिंग वगैरह के बारे में बच्चों को जरूर सिखाना चाहिए। ऐसे में अगर आप भी अपने बच्चों का फ्यूचर सक्सेसफुल बनाना चाहती हैं, तो उन्हें डिजिटल इकोसिस्टम से जुड़ी सारी चीजें जरूर बताएं। अगर जरूरी हो, तो उन्हें डिजिटल स्किल्स से जुड़ी चीजों को सीखने के लिए कोचिंग भी करवा सकती हैं।

मॉर्गन स्टेनली ने कंपनी के 4.2 लाख शेयर बेचे

पिछले महीने आया था आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। मॉर्गन स्टेनली ने 4.2 लाख शेयर बेच दिए। इस दिग्गज ब्रोकरेज हाउस ने स्मॉल कैप कंपनी स्कोडा ट्यूब्स के 7.6 करोड़ रुपये के शेयर बेच दिए हैं। यह शेयरों की बिक्री ब्लॉक डील के जरिए हुई है। यह बिक्री मॉर्गन स्टेनली एशिया सिंगापुर प्रा. ने 181.42 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से हुई है। बता दें, शुक्रवार को कंपनी के शेयर बीएसई में 3.33 प्रतिशत की गिरावट के बाद 180 रुपये के लेवल पर बंद हुआ है। वहीं, एनएसई में यह स्टॉक 3.55 प्रतिशत की गिरावट के बाद 179.50 रुपये के लेवल पर बंद हुआ है। यह कंपनी स्टेनलेस स्टील पाइप्स और ट्यूब्स का उत्पादन करती है। कंपनी की मौजूदगी ग्लोबल मार्केट में है। बीते एक महीने में स्कोडा ट्यूब्स के शेयरों की कीमतों में 17 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। स्कोडा ट्यूब्स का 52 वीक हाई 195 रुपये और 52 वीक लो लेवल 136 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 1078.36 करोड़ रुपये का है। पिछले महीने आया था आईपीओ स्कोडा ट्यूब्स के आईपीओ का साइज 220 करोड़ रुपये का है। कंपनी का आईपीओ के जरिए 1.57 करोड़ शेयर जारी करेगी। यह आईपीओ 28 मई को खुला था। कंपनी का आईपीओ 30 मई तक खुला था। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 140 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।

खाने-पीने की चीजें होंगी सस्ती

- यूनियन बैंक ने अच्छे मानसून और टैक्स कटौती को बताई अहम वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। अच्छे मानसून और खाद्य तेल पर आयात शुल्क में कटौती आने वाले महीनों में खाने-पीने की चीजों को सस्ता कर सकती हैं। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है।

सरकार ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क घटाकर 10 प्रतिशत किया– इसमें कहा गया कि सरकार ने 30 मई को सूरजमुखी, सोयाबीन और पाम तेल जैसे कच्चे खाद्य तेलों पर आयात शुल्क 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। इस कदम से खुदरा उपभोक्ताओं को सीधे लाभ मिलने की संभावाना है।

समय से पहले आया मानसून– रिपोर्ट में बताया गया कि इस बार मानसून की शुरुआत

सकारात्मक रही। केरल में मानसून समय से 5 दिन पहले पहुंच चुका है और देश के दूसरे भागों में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। मई 2025 में भारत में औसत से लगभग 106 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई। भारतीय मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि मानसून जून में भी सक्रिय रहेगा।

बैंक ने दी मौसम संबंधी चेतावनी – इन सकारात्मक संकेतों के बावजूद बैंक ने मौसम को लेकर चेतावनी जताई है। चरम मौसम संबंधी घटनाएं वर्तमान मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति को बाधित कर सकती हैं। उत्तर भारत में गर्मी अभी भी तेज है और अगर बाढ़ या सूखा जैसी समस्याएं आईं, तो खाद्य पदार्थों की कीमत फिर से बढ़ सकती है।

इजरायल-ईरान की लड़ाई से भारत को भी होगा नुकसान?

कच्चे तेल और शेयर बाजार पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। इजरायल और ईरान के बीच चल रहे तनाव का भारत की अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर शायद नहीं होगा। एक बड़े सरकारी अधिकारी ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि अगर यह लड़ाई और ज्यादा बढ़ती है, तभी भारत को ज्यादा नुकसान हो सकता है। सरकार इस स्थिति पर पूरी नजर रख रही है।

अधिकारी ने माना कि इस लड़ाई की वजह से कच्चे तेल (क्रूड ऑइल) के दाम बढ़ सकते हैं। शेयर बाजार में भी उतार-चढ़ाव आ सकता है। रुपये की कीमत भी गिर सकती है। जहाजों से सामान भेजने का खर्च भी बढ़ सकता है। अधिकारी ने बताया कि अभी यह कहना मुश्किल है कि भारत पर इसका क्या असर होगा। वित्त मंत्रालय और अन्य सरकारी संस्थाएं बाजार पर नजर रख रही हैं। वे यह देखेंगे कि बाजार में क्या हो रहा है।

कीमतों पर कितना पड़ेगा असर?

अधिकारी ने यह भी कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत है। इसलिए भारत इस तरह की किसी भी परेशानी से आसानी से निपट सकता है। भारत को ज्यादा नुकसान नहीं

होगा। अधिकारी ने यह भी कहा कि इस लड़ाई का असर दूसरी चीजों की कीमतों पर ज्यादा समय तक नहीं रहेगा।

महंगा हो सकता है पेट्रोल-डीजल

इजरायल के हमले के बाद कच्चे तेल की कीमतें 12 प्रतिशत बढ़कर 78.5 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। लेकिन बाद में कीमतें कम हो गईं और 75 डॉलर प्रति बैरल से भी नीचे आ गईं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि खबर आई कि इजरायल ने ईरान के तेल के ठिकानों पर हमला नहीं किया है। उसने सिर्फ ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था।

इजरायल के हमलों से डर है कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण रास्ता है जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल जाता है। अगर ईरान ऐसा करता है, तो जहाजों से सामान भेजने और बीमा कराने का खर्च बहुत ज्यादा बढ़ सकता है। इसका असर भारत पर भी दिखाई दे सकता है। इससे भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ सकती हैं। साथ ही दूसरे देशों से भारत आने वाले दूसरे सामान की कीमत पर भी असर दिखाई दे सकता है।

सुजलॉन एनर्जी के टारगेट प्राइस में हुई कटौती

ब्रोकरेज ने रेटिंग भी घटाया

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रोकरेज हाउस जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज ने सुजलॉन एनर्जी की रेटिंग को घटा दिया है। साथ ह टारगेट प्राइस में भी कटौती की गई है। शुक्रवार को बीएसई में सुजलॉन एनर्जी के शेयर 1.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 64.74 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

क्या है सुजलॉन एनर्जी का नया टारगेट प्राइस– ब्रोकरेज हाउस जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज का कहना है कि यह स्टॉक 71 रुपये के लेवल तक जा सकता है। जोकि शुक्रवार को क्लोजिंग की तुलना में 17 प्रतिशत से अधिक है। ब्रोकरेज हाउस ने पहले 77 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया था। यानी सुजलॉन के शेयरों के लिए 6 रुपये की टारगेट प्राइस में कटौती की गई है। ब्रोकरेज हाउस की चिंता प्रोजेक्ट के क्रिन्यावन को लेकर है। जियोजित ने बड़े प्रोजेक्ट के क्रिन्यावन को लेकर सतर्कता जाहिर की है।

हालांकि, यह कमेंट ऐसे समय में आया है जब कंपनी की वित्तीय स्थिति काफी मजबूत है। मार्च तिमाही के दौरान सुजलॉन एनर्जी का प्रदर्शन शानदार रहा है। जिसकी वजह से नेट प्रॉफिट से लेकर रेवन्यू तक में तेज इजाफा देखने को मिला है। बता दें, मार्च क्वार्टर के दौरान सुजलॉन एनर्जी का नेट प्रॉफिट 1181.22 करोड़ रुपये रहा था।

सुजलॉन स्टॉक प्राइस ट्रेंड

सितंबर 2024 में सुजलॉन एनर्जी के शेयर 86.04 रुपये के 52 वीक हाई पर पहुंच गए थे। वहीं, कंपनी का 52 वीक लो लेवल 46 रुपये है। बता दें, मई के महीने में सुजलॉन एनर्जी के शेयरों की कीमतों में 27 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, जून में यह रिन्यूएबल स्टॉक 10 प्रतिशत के करीब टूट चुका है। फरवरी में कंपनी के शेयरों में 14 प्रतिशथ की तेजी देखने को मिली थी।

मूडीज ने यस बैंक की रेटिंग में किया बड़ा बदलाव, 20 रुपये शेयर भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर के यस बैंक के शेयर पर आपका दांव है तो ये खबर आपके काम की हो सकती है। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी मूडीज ने यस बैंक की रेटिंग में बदलाव किया है। इस खबर के बीच यस बैंक के शेयर शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए।

क्या है रेटिंग एजेंसी का फैसला– मूडीज ने यस बैंक की रेटिंग को बीए3 से बढ़ाकर बीए2 कर दिया है। इसके अलावा बैंक के क्रेडिट प्रोफाइल

में सुधार के कारण आउटलुक को बदलकर स्थिर कर दिया है। यस बैंक के बेसलाइन क्रेडिट मूल्यांकन को भी बी1 से बढ़ाकर बीए3 कर दिया गया है। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा– यस बैंक की बीए2 डिपॉजिट रेटिंग इसकी बीए3 बीसीए (बेसलाइन क्रेडिट असेसमेंट) से एक पायदान ऊपर है।

प्रशांत कुमार के कार्यकाल का विस्तार– इस बीच, यस बैंक ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लेंडर यानी यस बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशांत कुमार के कार्यकाल विस्तार को मंजूरी दे दी है। यह विस्तार छह महीने का है, जो 6 अक्टूबर से प्रभावी होगा, या जब तक कोई नया एमडी और सीईओ कार्यभार नहीं संभाल लेता। बता दें कि बैंक ने नए सीईओ की तलाश शुरू कर दी है और वैश्विक भर्ती फर्मों के साथ बातचीत कर रहा है। बैंक के प्रमुख के रूप में प्रशांत कुमार का तीन साल का कार्यकाल अक्टूबर में समाप्त हो रहा है।

यस बैंक की डील

मई के महीने में यस बैंक की हिस्सेदारी को लेकर एक बड़ी डील हुई थी। जापान की सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन (एसएमबीसी) ने भारतीय स्टेट बैंक से 13.19 प्रतिशत और अन्य बैंकों से 6.81 प्रतिशत की द्वितीयक हिस्सेदारी खरीद के माध्यम से यस बैंक में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक निश्चित समझौता किया था।

एक बार फिर डिविडेंड देगी वेदांता, 18 जून को होगी बोर्ड बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अग्रवाल के स्वामित्व वाली माइनिंग कंपनी वेदांता लिमिटेड अंतरिम डिविडेंड देने वाली है। इसके प्रस्ताव पर विचार करने के लिए बुधवार, 18 जून को बोर्ड बैठक आयोजित करेगी। यह पहला ऐसा प्रस्ताव होगा जिस पर कंपनी वित्तीय वर्ष 2026 के लिए विचार करेगी। अंतरिम डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड तिथि मंगलवार, 24 जून तय की गई है। बता दें कि वेदांता ने वित्तीय वर्ष 2025 में अपने शेयरधारकों को 40 रुपये से ज्यादा का डिविडेंड दिया था। कंपनी ने तिमाही आधार पर क्रमशः 4, 11, 20 और 8.5 प्रति शेयर की चार अलग-अलग किस्तों में 43.5 प्रति शेयर डिविडेंड के रूप में भुगतान किया था।

कंपनी का शेयरहोल्डिंग पैटर्न– शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो मार्च तिमाही के अंत में वेदांता लिमिटेड की प्रवर्तक इकाई वेदांता रिसोर्सेज की कंपनी में 56.38 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड (वीआरएल) के फ्यूचर प्लान की बात करें तो कंपनी निवेश श्रेणी की रेटिंग पाने का लक्ष्य बना रही है। इसके लिए कंपनी कर्ज को कम करने, अपनी भारतीय सब्सिडयरी कंपनी वेदांता लिमिटेड को अलग करने, मजबूत वृद्धि, परिचालन दक्षता और मजबूत वित्तीय प्रदर्शन पर जोर दे रही है। वेदांता रिर्सोसेज अपने महत्वपूर्ण खनिजों, संक्रमण धातुओं, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी पोर्टफोलियो को मजबूत करते हुए वित्त वर्ष 2026-27 तक अपने कुल कर्ज को मौजूदा पांच अरब अमेरिकी डॉलर से घटाकर तीन अरब डॉलर करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कारोबार बांट रही कंपनी

आपको बता दें कि वेदांता वर्तमान में विभाजन की प्रक्रिया से गुजर रही है। मौजूदा सूचीबद्ध इकाई को अलग-अलग व्यवसायों की सेवा करने वाली पांच अलग-अलग संस्थाओं में विभाजित किया जाएगा। कंपनी को इस साल सितंबर तक विभाजन प्रक्रिया पूरी करने का भरोसा है।

78,000 करोड़ की नेटवर्थ और कोई नहीं जानता नाम...

2,50,000 करोड़ की कंपनी शीन के मालिक हैं क्रिस शू

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल में एक खबर आई थी कि भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस रिटेल बड़ा धमाका करने की तैयारी में है। रिलायंस रिटेल और ई-कॉमर्स कंपनी शीन भारत में कपड़ों का उत्पादन बढ़ाना चाहती हैं। साथ ही वे भारत में बने शीन ब्रांड के कपड़ों को दुनिया भर में बेचना चाहते हैं। शीन एक ई-कॉमर्स कंपनी है। इसकी शुरुआत चीन में हुई थी लेकिन अब इसका मुख्यालय सिंगापुर में है। शीन एक बड़ी फास्ट-फैशन कंपनी है। यह सालाना 30 अरब डॉलर से ज्यादा कमाती है। शीन सस्ते दाम और मार्केटिंग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करती है। लेकिन इसके मालिक के बारे में कम ही लोग जानते हैं।

शीन के फाउंडर क्रिस शू हैं जिन्हें स्काई शू के नाम से भी जाना जाता है। शू शीन के सह-संस्थापक और सीईओ हैं। शीन एक बहुत ही तेजी से आगे बढ़ने वाला फैशन ब्रांड है। यह त्नद्गठ्ठ´ के बीच बहुत लोकप्रिय है। शीन 150 से ज्यादा देशों में ट्रेंडी कपड़े बेचता है। शीन ने 2018 में भारत में कारोबार शुरू किया था। लेकिन 2020 में भारत सरकार ने कुछ चीनी कंपनियों पर रोक लगा दी, जिसमें शीन भी शामिल थी।

कैसे हुई शुरुआत– 41 साल के शू के बारे में सार्वजनिक तौर पर ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है। इसकी वजह यह है कि वह मीडिया से दूर रहते हैं। उनका जन्म 1984 में चीन के शेडोंग प्रांत में हुआ था। अब उनके पास सिंगापुर की नागरिकता भी है, जहाँ उनकी कंपनी का मुख्यालय है। उन्होंने चीन के किंगदाओ यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी से बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल की है।

ग्रेजुएशन के बाद शू ने मार्केटिंग के क्षेत्र में काम किया। उन्होंने नानजिंग आओदाओ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी

कंपनी में सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन में विशेषज्ञता हासिल की। इसके बाद शू को यह एहसास हुआ कि चीनी उत्पादों को ग्लोबल मार्केट में बेचने में बहुत संभावनाएं हैं। साल 2008 में शू ने दो बिजनस पार्टनर्स के साथ मिलकर नानजिंग डियानवेई इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की स्थापना की। इसे शीन का शुरुआती रूप माना जाता है। यह कंपनी शादी के कपड़े बेचती थी। 2015 में, कंपनी का नाम बदलकर शीन कर दिया गया। उसी साल शू ने कंपनी का मुख्यालय नानजिंग से गुआंगजो और फिर 2022 में सिंगापुर ट्रांसफर कर दिया। शू शीन के सीईओ हैं और माना जाता है कि वह कंपनी के सबसे बड़े इंडिविजुअल शेयरहोल्डर भी हैं। उनकी लीडरशिप में शीन ने दुनिया के सबसे बड़े फैशन रिटेलर्स में अपना नाम बनाया है। यह कंपनी अपने अल्ट्रा-फास्ट फैशन मॉडल, वाइड प्रोडक्ट रेंज और कम दामों के लिए जानी जाती है। फोर्ब्स के मुताबिक शू की नेटवर्थ 9.1 अरब डॉलर यानी करीब 78,000 करोड़ रुपये है।

जून के पहले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा, 697 अरब डॉलर पर पहुंचा आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5.17 अरब डॉलर बढ़कर 696.65 अरब डॉलर हो गया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने जानकारी दी कि यह आंकड़ा 6 जून को समाप्त सप्ताह के दौरान

दर्ज किया गया। इसके पिछले हफ्ते यानि 30 मई को समाप्त सप्ताह में इसमें गिरावट देखने को मिली थी। यह 1.237 अरब डॉलर घटकर 691.485 अरब डॉलर रह गया था। इससे पहले सितंबर 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। इसने अपने सर्वकालिक उच्च स्तर को छूया था।

विदेशी मुद्रा आस्तियों में हुई बढ़ोतरी – शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 3.47 अरब डॉलर बढ़कर 587.68 अरब डॉलर हो गईं। विदेशी मुद्रा आस्तियों में डॉलर के मुकाबले यूरो, पाउंड और येन जैसी अन्य मुद्राओं के उतार-चढ़ाव का भी असर शामिल होता है।

स्वर्ण भंडार 1.58 अरब डॉलर बढ़ा – रिजर्व बैंक ने कहा कि इस सप्ताह के दौरान सोने के भंडार में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। सोना 1.58 अरब डॉलर बढ़कर 85.88 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई ने कहा कि स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) में भी 102 मिलियन डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई। यह 18.67 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की स्थिति 14 मिलियन डॉलर बढ़कर 4.4 अरब डॉलर हो गई है।

टाटा समूह के इतिहास का सबसे काला दिन...

विमान हादसे के बाद बोले टाटा समूह के मुखिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भले ही यह कठिन समय हो, लेकिन समूह अपनी जिम्मेदारियां निभाएगा और सही काम करने से पीछे नहीं हटेगा। अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के एक दिन बाद टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने शुक्रवार को यह बात कही। उन्होंने विमान हादसे के दिन को एअर इंडिया के इतिहास का सबसे काला दिन भी बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एयर इंडिया का स्वामित्व रखने वाला समूह विमान हादसे से जुड़ी सूचना देने के लिए अपनी प्रणाली में पूरी पारदर्शिता रखेगा।

यात्रियों की सुरक्षा पहली और सर्वोच्च प्राथमिकता- चंद्रशेखरन– कर्मचारियों को भेजे गए एक आंतरिक संदेश में टाटा समूह के मुखिया ने कहा कि जब टाटा संस ने एअर इंडिया का अधिग्रहण किया था, तो यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी पहली और सर्वोच्च प्राथमिकता थी और इससे कोई समझौता नहीं किया गया।

टाटा समूह के प्रमुख की ओर से कर्मचारियों को भेजा गया यह संदेश एयर

इंडिया के लंदन जाने वाले बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान के अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त होने के एक दिन बाद सामने आया है। इस विमान में सवार 242 लोगों में से 241 लोगों की मौत हो गई थी। यह देश की सबसे भीषण हवाई दुर्घटनाओं में से एक थी।

चंद्रशेखन ने कहा, यह बहुत कठिन क्षण है। कल जो कुछ हुआ, वह समझ से परे है, और हम सदमे और शोक में हैं। एक ऐसे व्यक्ति को खोना जिसे हम जानते हैं, एक त्रासदी है, लेकिन एक साथ इतनी सारी मौतें होना समझ से परे है। चंद्रशेखरन ने कहा, यह टाटा समूह के इतिहास का सबसे काला दिन है। इस समय सांत्वना देने के लिए शब्द पर्याप्त नहीं हैं, लेकिन मेरी संवेदनाएं दुर्घटना में मारे गए और घायल हुए लोगों के परिवारों और प्रियजनों के साथ हैं। हम उनके साथ हैं। उन्होंने कहा, मैं यह कहना चाहता हूं कि आपकी तरह हम भी यह समझना चाहते हैं कि क्या हुआ। अभी हमें नहीं पता, लेकिन हम समझ जाएंगे।

नियमित उड़ान आपदा में कैसे बदली, प्रशिक्षित जांचकर्ता करेंगे पता

उन्होंने कहा कि इस समय समूह की कोशिश ऐसी व्याख्याओं की तलाश है जो इस आपदा के लिए सार्थक हों। चारों ओर इस बारे में बहुत सारी अटकलें हैं। इसमें से कुछ सही हो सकती हैं, कुछ गलत भी हो सकती हैं। इसलिए मैं धैर्य रखने का आग्रह करना चाहता हूं। चंद्रशेखरन ने कहा, यह नियमित उड़ान आपदा में क्यों बदल गई, यह जानने में प्रशिक्षित जांचकर्ता हमारी मदद करेंगे, जब उनका काम पूरा हो जाएगा। एक बार जब हम तथ्यों की पुष्टि कर लेंगे, तो हम इस त्रासदी के बारे में अपनी जानकारी में पारदर्शिता लाएंगे।

शुभमन गिल की कप्तानी पर अश्विन ने कहा-

उम्मीद है कि उन्हें अच्छी शुरुआत मिलेगी ताकि कोई सवाल न उठे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ से पहले शुभमन गिल की भारत के नए टेस्ट कप्तान के रूप में नियुक्ति पर अपने विचार साझा किए। वरिष्ठ खिलाड़ियों रोहित शर्मा के संन्यास के बाद यह सीरीज़ भारतीय टेस्ट क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत है और विराट कोहली टेस्ट से और अश्विन खुद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से। अश्विन ने कहा, मुझे लगता है कि गिल पहले से ही उस ध्यान और जिम्मेदारी से बहुत अभिभूत हैं जो उन्हें मिल रही है। अगर मैं उनकी जगह होता और इतने दबाव वाले काम पर होता, तो मैं बल्लेबाज के तौर पर बहुत अच्छी शुरुआत करना चाहता। उन्होंने बताया कि इंग्लैंड में बल्लेबाजी करना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है और गिल को कप्तान और बल्लेबाज दोनों के तौर पर खुद को साबित करना होगा।

उन्होंने कहा, बल्लेबाज के तौर पर, उनके स्थान को लेकर कई सवाल उठेंगे, क्योंकि इंग्लैंड में बल्लेबाजी करना बहुत मुश्किल हो सकता है। लेकिन अगर वह रन बनाते हैं, तो रन बनाने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और यह कप्तानी पर भी असर डालेगा।÷ गिल को÷बहुत खास खिलाड़ बताते हुए अश्विन ने कहा, मुझे उम्मीद है कि वह किसी भी सवाल से बचने के लिए बहुत अच्छी शुरुआत करेंगे। लेकिन मुझे लगता है कि ऋषभ शुभमन की तुलना में सीरीज में बहुत अधिक निश्चितता के साथ उतरेंगे। टेस्ट क्रिकेट में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ती और विकसित होती है। हाल ही में रांची में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच में शुभमन की दूसरी पारी में 50 रन की पारी ने उनके रवैये और बदलाव की क्षमता को दर्शाया।

अश्विन ने विराट कोहली के संन्यास पर भी बात की, जिन्होंने इंग्लैंड सीरीज से कुछ ही हफ्ते पहले 12 मई को टेस्ट क्रिकेट से बाहर होने की घोषणा की थी। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत को आगामी सीरीज में कोहली की कमी खलेगी, अश्विन ने कहा, ÷मुझे नहीं लगता कि जिसने भी खेल खेला है या खेलेगा, वह खेल से बड़ा है। मैदान पर कोई भी व्यक्ति खेल के लिए अच्छा नहीं करता - खेल उनके लिए अच्छा या बुरा करता है। मुझे विराट पसंद है, लेकिन वह आया, खेल खेला, खेल को छोड़ा, इसे एक बेहतरीन जगह पर छोड़ा। इसे आगे ले जाने का काम किसी और का है।÷ उन्होंने उम्मीद जताई कि गिल, ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल जैसे युवा खिलाड़ी इस अवसर पर खरे उतरेंगे। अब शुभमन गिल, ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल जैसे प्रतिभाओं के रवैये और इच्छा को आगे बढ़ाने का इंतजार है।

अब यह देखने का समय है कि क्या वे विराट कोहली, सचिन तेंदुलकर जैसे खिलाड़ियों द्वारा इन सभी वर्षों में मैदान पर दिखाई गई तीव्र ऊर्जा को दोहरा सकते हैं। अश्विन ने कहा, ÷यह कहने के बाद, टीम में हर किसी की जिम्मेदारी है कि वह उस ऊर्जा और इच्छा को दिखाए। यह श्रृंखला जून से अगस्त 2025 तक आयोजित की जाएगी, जिसके मैच लीड्स में हेडिंग्ले, बर्मिंघम में एजबेस्टन, लंदन में लॉर्ड्स और द ओवल और मैनचेस्टर में ओल्ड ट्रैफर्ड में निर्धारित हैं। इंग्लैंड श्रृंखला के लिए भारत की टेस्ट टीम॓ शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

क्रिकेट के नियमों में बड़ा बदलाव, बाउंड्री पर उछलकूद वाले ये कैच होंगे अवैध!

नई दिल्ली, एजेंसी। मेलबर्न क्रिकेट क्लब ने हाल ही क्रिकेट के नियमों में एक बड़ा बदलाव किया है। ये बदलाव बाउंड्री पर उछलकूद करते हुए कैच पकड़ने को लेकर है। नए नियमों के तहत अब बाउंड्री पर 'बनी हॉप' अवैध होगा। बनी हॉप का मतलब है जब कोई फिल?डर बाउंड्री के बाहर जाकर हवा में उछलते हुए गेंद को सीमा रेखा के अंदर फेंककर कैच पकड़ना है। नए नियम के तहत अब सीमारेखा के अंदर रहकर गेंद को छूना ही वैध होगा। आईसीसी की प्लेइंग कंडीशन में ये बदलाव इसी महीने 17 जून से खेले जाने वाले श्रीलंका बनाम बांग?लादेश मैच से लागू हो जाएगा। जबकि एमसीसी में अक्टूबर 2026 में होगा। रिपोर्ट के अनुसार, नए नियम के तहत अब हवा में फील्डर सीमा रेखा से बाहर होने पर गेंद को सिर्फ एक बार ही छू सकता है। कैच पूरा करने के लिए उसे फिर से सीमा रेखा के अंदर आना होगा। जबकि पहले एक फील्डर गेंद को सीमा रेखा के बाहर कई बार हवा में उछाल सकता था। बशर्ते वह बॉल के संपर्क में आने के दौरान हवा में हो। माइकल नेसर की द्वारा बीबीएल 2023 के दौरान इस तरह का एक काफी सुर्खियों में रहा था।बिग बैश लीग 2023 में नेसर के कैच से पहले 2020 के सीजन में मैट रेनशॉ ने भी इसी तरह फील्डिंग करते हुए कैच पकड़ा था, जिसमें उन्होंने गाबा के मैदान पर मैथ्यू वेड को आउट किया था। रेनशॉ ने बाउंड्री के पार जाकर गेंद को टॉम बैंटन की ओर मैदान पर फेंका था, जिन्होंने कैच को पूरा किया था। इस साल की शुरुआत में ही एमसीसी ने कथित तौर पर आईसीसी को नोट भेज नेसर के कैच को 'बन्नी हॉप्ड' बताया और नियम बदलने की मांग की।एमसीसी की ओर से ये भी बताया गया है कि उन्होंने एक नया शब्द तैयार किया है, जिसमें सीमा से परे 'बन्नी हॉप' को हटा दिया गया है। हालांकि ऐसे कैच, जिनमें एक फील्डर गेंद को सीमा रेखा के अंदर से ऊपर की ओर धकेलते हुए बाहर चला जाता है और फिर अंदर आकर गेंद को पकड़ लेता है तो वह कैच वैध है।

साउथ अफ्रीका बना वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का चैंपियन

माथे से हटा चोकर्स वाला टैग

लंदन। ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर साउथ अफ्रीका वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का चैंपियन बन गया है। लॉर्ड्स मैदान में साउथ अफ्रीका ने टेस्ट के चौथे दिन एडन मार्कराम के शानदार शतक की मदद से खिताब जीता। मार्कराम ने 136 रन बनाए। वहीं कप्तान तेंबा बवुमा ने 64 रन बनाए।

इससे पहले साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया था। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 212 रनों पर ढेर हो गई थी। इस दौरान कागिसो रबाडा ने 5 विकेट लिए। वहीं जवाब में साउथ अफ्रीका की पहली पारी भी महज 138 रनों पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया के पास 74 रनों की बढ़त थी। लगा कि साउथ अफ्रीका फिर खिताब जीतने का सपना टूट जाएगा, लेकिन दूसरी पारी में उनके गेंदबाजों ने फिर कमाल दिखाया और कंगारूओं को 207 रनों पर ढेर कर दिया। ऐसे में साउथ अफ्रीका को 282 रनों का लक्ष्य मिला, जिसे टीम ने फिर आसानी से हासिल कर लिया।

इसी के साथ उसके माथे पर 27 साल से लगा चोकर्स टैग भी हट गया है। दरअसल, साउथ अफ्रीका की टीम को बड़े टूर्नामेंट में हारने के लिए जाना जाता है। यह टीम ज्यादातर सेमीफाइनल में हारकर बाहर हो जाती थी या फिर फाइनल में। ऐसे में इसे चोकर्स का टैग दिया गया। 1998 में ढाका में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी (इसका नाम बाद में चैंपियंस ट्रॉफी रख दिया गया था) जीतने के बाद से वे किसी भी बड़े आईसीसी टूर्नामेंट का खिताब नहीं जीत पाई थी।

लॉर्ड्स में शतक लगाकर ब्रैडमैन-ग्रीनीज के क्लब में शामिल हुए मार्करम

लॉर्ड्स में शतक लगाने के साथ ही मार्करम ऑस्ट्रेलिया के महान सर डॉन ब्रैडमैन और वेस्टइंडीज के गॉर्डन ग्रीनीज के खास क्लब में शामिल हो गए। अजीत अगरकर के रूप में इस क्लब में भारत का भी एक खिलाड़ी है। मार्करम का शतक किसी आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में किसी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज द्वारा लगाया गया पहला शतक है। यह टेस्ट में उनका आठवां शतक रहा। मार्करम लॉर्ड्स में चौथी पारी में शतक लगाने वाले छठे बल्लेबाज (इंग्लैंड के बाहर के किसी बल्लेबाज द्वारा) बन गए। उनसे पहले ऑस्ट्रेलिया के महान ब्रैडमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ 1938 में, वेस्टइंडीज के रॉय फ्रेडरिक्स ने इंग्लैंड के खिलाफ 1976 में, वेस्टइंडीज के ही गॉर्डन ग्रीनीज ने इंग्लैंड के खिलाफ 1984 में, भारत के अजीत अगरकर ने इंग्लैंड के खिलाफ 2002 में और ऑस्ट्रेलिया के माइकल क्लार्क ने इंग्लैंड के खिलाफ 2009 में यह कमाल किया था।

इंट्रा-स्क्वाड में चमके गिल, राहुल और शार्दुल

हेडिंग्ले टेस्ट से पहले फुल जोश में टीम इंडिया

नई दिल्ली। बेकेनहम में खेले जा रहे इंट्रा-स्क्वाड मैच के पहले दिन टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और स्टार बल्लेबाज केएल राहुल ने शानदार अर्धशतक जड़े। ये मुकाबला आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले अपनी तैयारियों को पुख्ता करने के लिए टीम इंडिया खेल रही है।

मैच बंद दरवाजे के पीछे खेला जा रहा है, जिसको लेकर बीसीसीआई ने अपने आधिकारिक (पहले ट्विटर) अकाउंट पर मैच की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें नए कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल को बड़े शॉट लगाते हुए देखा जा रहा है।

दरअसल, इंट्रा-स्क्वाड मैच बंद दरवाजों के पीछे खेला जा रहा है और यही वजह है कि इसकी कोई लाइव स्ट्रीमिंग या टेलीकास्ट उपलब्ध नहीं है। इस महीने के अंत में होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए इंडिया-ए ने पिछले हफ्ते इंग्लैंड लायंस के साथ दो अनौपचारिक टेस्ट मैचों की सीरीज खेली थी और दूसरे अनौपचारिक मैच के दौरान केएल राहुल ने एक शानदार शतक भी जड़ा था।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान केएल राहुल पारी की शुरुआत करते हुए नजर आएंगे। उन्होंने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के दौरान भी ओपनिंग की थी और अपने बल्लेबाजी प्रदर्शन से सभी को इंप्रेस किया था। उन्होंने इंट्रा स्क्वॉड मैच में भी शानदार फिफ्टी ठोकी। उनके साथ ही कप्तान गिल ने भी अर्धशतक जड़ा। वहीं गेंदबाजी में शार्दुल ठाकुर ने महफिल लूटी। ठाकुर ने अपने इस प्रदर्शन के जरिए प्लेइंग क्ष्क्ष् में शामिल होने की दावेदारी पेश की है।

बीसीसीआई ने तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, बेकेनहम...इंट्रा-स्क्वाड गेम में एक ठोस शुरुआती दिन! केएल राहुल और कप्तान शुभमन गिल के लिए अर्धशतक, शार्दुल ठाकुर ने विकेट लिए।

यह जानना महत्वपूर्ण है कि कब तैयार रहना है: प्रसिद्ध कृष्णा

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा कि उन्होंने टीम की जरूरतों के अनुसार खेलना सीख लिया है और अब वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की अपनी शानदार फॉर्म को इंग्लैंड दौरे पर भी जारी रखना चाहते हैं। चोट से उबरकर वापसी करने वाले प्रसिद्ध ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया और सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की। वह अब इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से लीड्स में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला को लेकर उत्साहित हैं। भारतीय टीम अभी यहां आपस में ही अभ्यास मैच खेल रही है। प्रसिद्ध ने बीसीसीआई टीवी से कहा, ''आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि जब आपका मौका आए तो आप उसके लिए तैयार रहें लेकिन आप वास्तव में लंबे समय तक ध्यान केंद्रित नहीं रख सकते हैं, खासकर जब आप बाहर बैठे हों, इसलिए आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप थोड़ा मौज-मस्ती भी करें। उन्होंने कहा,''जब आप जानते हैं कि आप स्थिति को भांप सकते हैं, तो आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आप विशेष परिस्थितियों में अपनी टीम की मदद करें। यह सुनिश्चित करें कि आप पूरी तरह से तैयार रहें, क्योंकि खेल में कुछ भी हो सकता है, यही अपने आप में क्रिकेट की खूबसूरती है। प्रसिद्ध ने कहा, ''मुझे लगता है कि हम सभी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि कब स्विच ऑन और कब स्विच ऑफ करना है।

स्टीव स्मिथ इंजरी की वजह से वेस्टइंडीज दौरा भी कर सकते मिस

नई दिल्ली। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया को एक बड़ा झटका उस वक्त लगा, जब स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ उंगली की गंभीर चोट के कारण मैच के बाकी हिस्से से बाहर हो गए।

लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले जा रहे डब्ल्यूटीसी फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी के दौरान, अनुभवी क्रिकेटर को पहली स्लिप में फील्डिंग करते समय उनकी दाहिनी छोटी उंगली में डिसलोकेशन हो गई। स्टीव स्मिथ से ना तो टेम्बा का कैच बच सका और न ही उनकी उंगली बच पाई। बावुमा का कैच जब ड्रॉप हुआ, तब वह महज 2 रन बनाकर खेल रहे थे।इस मैच के बीच चोट लगने के बाद स्टीव को तुरंत ही मैदान छोड़ना पड़ा और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रवक्ता ने द ऐज को बताया कि स्टीव की चोटिल उंगली की जांच के लिए उन्हें एक्स-रे के लिए ले जाया गया।दरअसल, साउथ अफ्रीका की टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 282 रन का टारगेट दिया और इसका पीछा करते हुए तीसरे दिन स्टंप्स तक अफ्रीका ने 213 रन बना लिए थे। टेम्बा बावुमा का कैच ड्रॉप होने के बाद स्टीव स्मिथ इंजर्ड होकर मैदान छोड़कर लौटे।

भारतीय फुटबॉल में विवाद जारी, एआईएफएफ प्रमुख चौबे ने भूटिया पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने शुक्रवार को बाईचुंग भूटिया पर अपने 'निहित स्वार्थ' के लिए व्यावसायिक अकादमियां चलाने का आरोप लगाया। राष्ट्रीय टीम के पूर्व कप्तान ने हालांकि इन आरोपों को निराधार बताया।

चौबे का यह आरोप हाल ही में एएफसी एशियाई कप क्वालद्धफाइंग दौर के मैच में हांगकांग से भारत की चौंकाने वाली हार के बाद भूटिया द्वारा एआईएफएफ प्रमुख के पद से इस्तीफा मांगने के जवाब में था। भूटिया ने कहा था कि चौबे ने भारतीय फुटबॉल को नष्ट कर दिया है। चौबे से जब भूटिया की टिप्पणियों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, वह अपने नाम से एक व्यावसायिक फुटबॉल स्कूल चलाते हैं। वह 20 विभिन्न शहरों में हैं।

इस फुटबॉल स्कूल में खिलाड़ी 1000 से एक लाख रुपये तक का भुगतान करते हैं। उनसे एक हजार से 10000 रुपये तक महीना लिया जाता है।

चौबे बाइचुंग भूटिया फुटबॉल स्कूल (बीबीएफएस) का जिक्र कर रहे थे, जिसकी देश भर में कई अकादमियां हैं। एआईएफएफ अध्यक्ष ने कहा, यह पूरी तरह से निहित स्वार्थ है, पूरी तरह से व्यावसायिक है। वे (अकादमी) परिवारों की भावनाओं, लोगों की भावनाओं के साथ खेलकर अनुचित लाभ उठा रहे हैं। लोग सोचते है कि उस व्यक्ति ने भारतीय फुटबॉल के उच्चतम स्तर पर पहुंच बनाई है और अगर मैं (अकादमी में बच्चा) उनकी अकादमी का हिस्सा बन सकता हूं, तो मैं भी एक फुटबॉल खिलाड़ी के रूप में अपना जीवन बना सकता हूं।

भूटिया ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि चौबे को इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि अकादमी कैसे चलाई जाती है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने फुटबॉल स्कूल अपनी मेहनत की कमाई से खोले हैं। भूटिया ने सिक्किम से 'पीटीआई' से कहा, %वह (चौबे) ऐसे व्यक्ति हैं जिनके पास जानकारी का आभाव है। वह बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। उन्हें फुटबॉल अकादमी के बारे में कुछ भी नहीं पता। मैंने 14 साल पहले अपनी मेहनत की कमाई से फुटबॉल स्कूल खोले हैं। राज्यों, केंद्र और कॉरपोरेट्स से कोई वित्तीय सहायता नहीं मिली।

उन्होंने कहा, पिछले दो सालों में बच्चों की मदद के लिए केवल कुछ ही प्रायोजक आए हैं। देश भर में मेरे स्कूलों में हर दिन 6000 से अधिक बच्चे खेलते हैं। एआईएफएफ भी ऐसा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, वह फीस की बात कर रहे हैं लेकिन मेरे स्कूलों में 150 योग्य कोच और उनके द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे मैदानों का खर्च कौन उठाएगा, कोई भी मुझे वित्तीय रूप से मदद नहीं कर रहा है। अकादमी चलाने के लिए मुझे फीस तो लेनी ही होगी। लेकिन मुझे नहीं पता कि वह कहां से 10,000 रुपये प्रति बच्चा प्रति माह की फीस की बात कर रहे हैं।हम इतना शुल्क नहीं लेते हैं।

रश्मिका ने बताया कुबेर की शूटिंग से जुड़ा अनुभव

धनुष स्टारर फिल्म 'कुबेर' का आज सॉन्ग लॉन्च इवेंट हुआ। इस दौरान फिल्म के सितारे पहली बार मुंबई में एक साथ नजर आए। इस खास मौके पर नागार्जुन अक्किनेनी, धनुष, रश्मिका मंदाना, जिम सरभ और दलीप ताहिल जैसे दिग्गज एक्टर्स ने शिरकत की। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित और सह-लिखित 'कुबेर' एक सोशल थ्रिलर है। इस दौरान अभिनेत्री रश्मिका मंदाना से फिल्म से जुड़े अपने अनुभवों को साझा किया।

रश्मिका ने बताया क्यों किया फिल्म को हां

रश्मिका मंदाना ने डायरेक्टर शेखर कम्मुला और को-स्टार धनुष के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि मैं शेखर सर और धनुष के साथ काम करना चाहती थी। यही वजह थी कि मैंने इस फिल्म के लिए हां कह दी।

मैंने कभी नहीं निभाया ऐसा किरदार

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए रश्मिका ने कहा, कभी आपको गीतांजलि (फिल्म एनिमल का किरदार) बनना होता है, तो कभी श्रीवल्ली (फिल्म पुष्पा का किरदार) और कभी यह किरदार। यकीनन मैंने ऐसा रोल पहले कभी नहीं किया। मैं पूरी तरह से डायरेक्टर के हवाले हो गई और यही खूबसूरती है। हर डायरेक्टर का अपना अंदाज होता है, इसीलिए मुझे इतने दिलचस्प और अलग-अलग किरदार निभाने को मिलते हैं। मैं इसके लिए हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी।

डंपयार्ड में 6 घंटे की शूटिंग का अनुभव किया शेयर

रश्मिका ने फिल्म के सबसे चैलेंजिंग मोमेंट के बारे में बताते हुए कहा, एक्टर के तौर पर मेरे लिए सबसे यादगार अनुभव था डंपयार्ड (कचरे के ढेर) में 6 घंटे तक शूटिंग करना। यह हमें वापस अपनी जड़ों से जोड़ता है और एक आई-ओपनर भी था। शेखर सर रियल लोकेशन्स पर शूट करना पसंद करते हैं। कैमरा पकड़कर भागते हुए शॉट्स लेते हैं। हम तो मॉनिटर तक नहीं देख पाते थे, लेकिन उनका मास्टरपीस देखने लायक होगा।

हार्टब्रेक पर एक नया नजरिया दिखाता है ये गाना

रश्मिका ने फिल्म के नए गाने के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, आमतौर पर हार्टब्रेक के गानों में हम लड़के के दर्द को देखते हैं, लेकिन यह गाना एक लड़की के नजरिए से है। यह दुख भरा जरूर है, लेकिन इसे एक फन वाले अंदाज में पेश किया गया है।

'मैं अभी सीख रही हूं'

जब उनसे नंबर वन एक्ट्रेस कहलाने के प्रेशर के बारे में पूछा गया, तो रश्मिका ने विनम्रता से जवाब दिया, मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरुआत की है। मैं तो बस यह जानती हूं कि मैं अभी लर्निंग फेज में हूं। मैं साउथ, बॉलीवुड, हर जगह काम कर रही हूं और अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है।

नागार्जुन सर से तारीफ सुनना खास है

रश्मिका ने अपने को-स्टार्स नागार्जुन और धनुष के लिए खास शब्द कहे। नागार्जुन के साथ दूसरी बार काम करने पर उन्होंने कहा, मुझे नाग सर के साथ काम करना बेहद पसंद है। यह मेरा उनके साथ दूसरा प्रोजेक्ट है। वो बिना किसी मेहनत के इतना बेहतरीन परफॉर्म करते हैं कि मैं हैरान रह जाती हूं। उन्होंने फिल्म देखी और मेरे किरदार की तारीफ की - यह मेरे लिए बहुत खास पल था।

धनुष असल में कुबेर हैं

धनुष के बारे में बात करते हुए रश्मिका ने कहा कि धनुष सर जो भी करते हैं, बड़ी आसानी से करते हैं। वह असल में कुबेर हैं। हमें उनके 10% जितना बनने के लिए भी बहुत मेहनत करनी पड़ती है।

'मां' से तीन साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी को तैयार काजोल

काजोल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मां' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। अभिनेत्री अपनी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अभिनेता अजय देवगन बतौर प्रोड्यूसर जुड़े हुए हैं। हालांकि, अजय देवगन और काजोल कई फिल्मों में एक साथ भी नजर आ चुके हैं। अब काजोल ने अजय देवगन के बतौर प्रोड्यूसर काम करने के तरीके को लेकर बात की और बताया कि एक प्रोड्यूसर के तौर पर अजय कैसे हैं।

अनुभवी प्रोड्यूसर हैं अजय

एएनआई के साथ बातचीत में काजोल ने अजय के फिल्म 'मां' के प्रोड्यूसर होने को लेकर बात की। काजोल ने कहा, अजय एक बहुत ही अनुभवी प्रोड्यूसर हैं। स्क्रिप्ट से लेकर म्यूजिक और वीएफएक्स तक उन्होंने इस फिल्म के हर हिस्से पर बहुत ध्यान दिया है। मुझे लगता है कि वीएफएक्स फिल्म का एक बहुत बड़ा हिस्सा है। अजय भी कहते हैं कि वीएफएक्स की शूटिंग एक अलग खेल है। इसलिए उन्होंने बहुत सारी जानकारी दी है।

'मैंने नहीं सोचा था कभी हॉरर फिल्म करूंगी'

आगामी फिल्म 'मां' को लेकर बात करते हुए काजोल ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक हॉरर फिल्म करूंगी, लेकिन अब हम यहां हैं। मुझे इस फिल्म पर बेहद गर्व है। स्क्रिप्ट काफी अच्छी है। मैं पौराणिक कथाओं की बहुत बड़ी शौकीन हूं। मुझे हमारी भारतीय पौराणिक कथाएं बहुत पसंद हैं। हमारे पास बहुत सारी कहानियां हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि यह मेरी पसंदीदा कहानियों में से एक है। मैं बहुत आभारी हूं कि मैंने यह फिल्म की है। मुझे लगता है कि हमने बहुत अच्छी फिल्म बनाई है। बाकी अब दर्शक बताएंगे। लेकिन मां की कसम, हमने अच्छी फिल्म बनाई है।

बड़े पर्दे पर अपनी वापसी से उत्साहित हैं काजोल

मां के जरिए काजोल तीन साल के अंतराल के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। सिनेमाघरों में उनकी आखिरी रिलीज फिल्म सलाम वेंकी थी। अपने बड़े पर्दे पर वापसी को लेकर काजोल ने कहा कि मैं बहुत उत्साहित हूं। मेरी फिल्म लंबे समय के बाद सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है और मैं इसे लेकर बेहद खुश हूं। हर अभिनेता को समय के साथ खुद को फिर से तलाशना पड़ता है। 27 जून को रिलीज होगी फिल्म विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित 'मां' को जियो स्टूडियोज के साथ मिलकर अजय देवगन ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म को अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म 'शैतान' से जोड़कर देखा जा रहा है। 'मां' 27 जून को सिनेमाघरों में आ रही है।

आलिया भट्ट और शरवरी ने शुरू की 'अल्फा' की तैयारी

बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्री आलिया भट्ट और शरवरी वाघ अपनी अपकमिंग फिल्म 'अल्फा' के एक भव्य गाने की शूटिंग की तैयारी में जुट गई हैं। यश राज फिल्म्स ने अपनी आगामी एक्शन फिल्म 'अल्फा' के लिए एक भव्य प्रमोशनल गाने की तैयारी शुरू कर दी है। आलिया और शरवरी इस गाने में एकदम नए और अनोखे अंदाज में दिखेंगी। इस गाने में दोनों धमाकेदार डांस करती नजर आएंगी।

सूत्रों के अनुसार, दोनों पिछले दो महीने से मुंबई के वाईआरएफ स्टूडियो में इस गाने की तैयारी कर रही हैं। वे अपने डांस स्टेप्स को परफेक्ट करने और गाने के लिए जरूरी फिजिकल लुक हासिल करने में जुटी हैं। शरवरी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से 'अल्फा' में आलिया के साथ काम करने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, आलिया एक शानदार अभिनेत्री और इंसान हैं। उनके साथ सेट पर हर दिन एक मास्टरक्लास जैसा था। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा और इसे अपने भविष्य के प्रोजेक्ट्स में लागू करूंगी। शरवरी ने आलिया के साथ काम करने को एक परिवर्तनकारी अनुभव बताया।

'अल्फा' एक महिला-प्रधान एक्शन फिल्म है, जो आलिया भट्ट को यश राज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स में शामिल करती है। यह पहली बार है जब इस यूनिवर्स में किसी महिला सुपरस्टार के ईर्द-गिर्द फिल्म बनाई जा रही है। 'अल्फा' का निर्देशन शिव रवैल कर रहे हैं, जिसमें शरवरी वाघ और आलिया भट्ट मुख्य भूमिकाओं में हैं। 'अल्फा' क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'अल्फा' यश राज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म होगी। इस यूनिवर्स की शुरुआत सलमान खान और कैटरीना कैफ की 'टाइगर' सीरीज ('एक था टाइगर' और 'टाइगर जिंदा है') से हुई थी। इसके बाद 'वॉर', 'पठान' और 'टाइगर 3' आईं। इस यूनिवर्स की अपकमिंग फिल्मों में 'वॉर 2', 'पठान 2' और 'टाइगर वर्सेज पठान' भी शामिल हैं।

हिट की तलाश में सोनाक्षी सिन्हा क्या 'निकिता रॉय' बदलेगी किस्मत?

सोनाक्षी सिन्हा एक बार फिर 'निकिता रॉय' के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। सोनाक्षी शादी के बाद पहली बार किसी फिल्म में नजर आएंगी। यह सस्पेंस थ्रिलर फिल्म सोनाक्षी सिन्हा के लिए काफी महत्वपूर्ण है। क्योंकि सोनाक्षी सिन्हा को एक बड़ी हिट की जरूरत है। सोनाक्षी के करियर को देखें तो उसमें फ्लॉप की कतार काफी लंबी है। ऐसे में 'निकिता रॉय' सोनाक्षी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

काकुड़ा

पिछले साल 2024 में सोनाक्षी सिन्हा ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'काकुड़ा' में नजर आई थीं। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म में सोनाक्षी के साथ रितेश देशमुख और साकिब सलीम प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए थे। ओटीटी पर रिलीज होने के बाद भी इस फिल्म को ज्यादा पसंद नहीं किया गया था।

बड़े मियां छोटे मियां

सोनाक्षी अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की एक्शन पैक्ड फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' में नजर आई थीं। काफी हाइप और अक्षय व टाइगर जैसे दो एक्शन हीरो होने के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई।

डबल एक्स एल

बॉडी शेमिंग जैसे मुद्दे को उठाती इस कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में सोनाक्षी के साथ हुमा कुरैशी प्रमुख भूमिका में थीं। ये फिल्म कब आई और कब चली गई पता भी नहीं चला।

भुज: द प्राइड ऑफ इंडिया

2021 में अजय देवगन देशभक्ति से भरपूर फिल्म 'भुज: द प्राइड ऑफ इंडिया' लेकर आए थे। फिल्म की कहानी 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भुज एयरबेस पर हुए हमले को दिखाती है। अजय देवगन और संजय दत्त जैसे सितारे होने के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा भी प्रमुख भूमिका में थीं।

दबंग 3

सोनाक्षी सिन्हा ने 2010 में सलमान खान की फिल्म 'दबंग' से बॉलीवुड में एंट्री की थी। इसके बाद सोनाक्षी इस फिल्म के बाकी दो पार्ट 'दबंग 2' और 'दबंग 3' में भी नजर आईं। 2019 में आई 'दबंग 3' बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई थी।

वेब सीरीज में आजमाई किस्मत

इस दौरान सोनाक्षी सिन्हा ओटीटी पर वेब सीरीज में भी नजर आईं। पिछले साल वो संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी' में निगेटिव रोल में नजर आई थीं। इसे क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। तो वहीं 2023 में सोनाक्षी ने मर्डर मिस्ट्री क्राइम-थ्रिलर में एक पुलिसकर्मी के रोल में दिखी थीं। इस किरदार के लिए सोनाक्षी की काफी तारीफ भी हुई थी।

डंपयार्ड में शूटिंग करके भावुक हुए धनुष

मुंबई में हुए इवेंट में एक्टर धनुष, नागार्जुन अक्किनेनी और रश्मिका मंदाना अपनी आने वाली फिल्म कुबेर के प्रमोशन के लिए एक साथ नजर आए। इस मौके पर फिल्म की कास्ट ने शूटिंग से जुड़े अपने अनुभव और किस्से साझा किए। इस दौरान फिल्म से जुड़े अभिनेता ने साझा किया कि उसके लिए फिल्म कितनी खास है और आखिर क्यों डंपयार्ड में शूटिंग के वक्त उसे अपना बचपन याद आ गया।

शूटिंग के वक्त बचपन की यादें ताजा हो गईं

इस इवेंट के दौरान फिल्म के मुख्य अभिनेता धनुष ने अपने जीवन के सफर को याद किया और बताया कि फिल्म की शूटिंग करते हुए उन्हें अपने बचपन की यादें ताजा हो गईं। धनुष ने बताया कि वो भी एक साधारण परिवार से आते हैं और इस फिल्म की शूटिंग ने उन्हें फिर से अपनी जड़ों से जोड़ दिया। उन्होंने कहा कि जब वे डंपयार्ड में शूटिंग कर रहे थे, तो ऐसा लगा जैसे पुराने दिनों में लौट गए हों।

कई लोगों ने कहा था बहुत मुश्किल होगी शूटिंग

इस दौरान मजाकिया अंदाज में धनुष ने कहा, हमने 6-7 घंटे डंपयार्ड में शूटिंग की और रश्मिका बिल्कुल ठीक थीं। मैंने पूछा, रश्मिका तुम्हें कुछ महसूस नहीं हो रहा? तो रश्मिका बोलीं, मुझे तो कुछ भी महक नहीं आ रही। बहुत लोगों ने कहा था कि ये शूटिंग बहुत मुश्किल होगी, हम सब मास्क पहने थे लेकिन सच कहूं तो इतना बड़ा चैलेंज नहीं था, सब ठीक था। धनुष ने आगे कहा कि आज मैं जहां हूं, उसके लिए मैं बहुत शुक्रगुजार हूं। यह फिल्म मेरे लिए कई वजहों से खास है, क्योंकि इसने मुझे फिर से उस दुनिया से जोड़ दिया, जहां से मैं आया हूं।

धनुष ने 'कुबेर' के लिए दिल से जताया आभार

धनुष ने आगे कहा कि आमतौर पर हम अपने कम्फर्ट जोन में रहते हैं, लेकिन इस फिल्म ने मुझे फिर से वो पुराना समय दिखाया। मैं भगवान का धन्यवाद करता हूं कि आज मैं यहां हूं, लेकिन अपने बचपन की यादों में लौटना मेरे लिए बहुत खास रहा। कुबेर के लिए मैं दिल से आभारी हूं।

आमतौर पर प्रमोशन के लिए नहीं आता, लेकिन...

धनुष ने इस दौरान कहा, मैं आमतौर पर प्रमोशन के लिए नहीं आता, लेकिन कुबेर मेरे लिए बहुत खास है। इस फिल्म की कहानी और इसका अनुभव इतना अलग है कि मैं चाहता हूं ज्यादा से ज्यादा लोग इसे देखें और महसूस करें। फिल्म का हर हिस्सा, हर सीन मेरे दिल के करीब है। जब आप किसी फिल्म को दिल से करते हैं, तो उसे लोगों तक पहुंचाना भी जरूरी लगता है।

भिखारी के किरदार के लिए मैंने कोई रिसर्च नहीं की

धनुष ने हंसते हुए कहा, मैंने फिल्म में भिखारी का रोल किया है। लोग सोचते हैं कि मैंने बहुत रिसर्च की होगी, लेकिन सच बताऊं तो मैंने कुछ नहीं किया। मैं बस सेट पर गया और डायरेक्टर शेखर सर के कहे अनुसार काम किया। उन्होंने सबकुछ बहुत आसान बना दिया।

धनुष ने की निर्देशक की तारीफ

धनुष ने निर्देशक शेखर कम्मुला को स्वर्ग से आया व्हाइट एंजल बताया। उन्होंने कहा कि शेखर सर बहुत अच्छे इंसान हैं। उनकी पॉजिटिव एनर्जी और ईमानदारी ने मुझे बहुत प्रभावित किया। सिर्फ 20 मिनट की कहानी सुनकर ही मैंने फिल्म के लिए हां कर दी थी।

मैं सिर्फ डायरेक्टर का कहा फॉलो करता हूं

धनुष ने अपने एक्टिंग के बारे में बताया कि लोग पूछते हैं कि मैं हर बार किरदार में कैसे ढल जाता हूं। सच कहूं तो मैं ज्यादा मेहनत नहीं करता। मेरे डायरेक्टर मुझे सबकुछ समझा देते हैं, मैं बस उनका कहा फॉलो करता हूं। असली मेहनत फिल्ममेकर्स की होती है।